तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केंद्रीय विद्यालय, पोरबंदर

विद्यालय पत्रिका 2022-23

बिरला रोड, पोरबंदर- 360576
(गुजरात)
Website:porbander.kvs.ac.in
E-mail:- kvpbr@yahoo.co.in
Vidyalaya office: 0286-2990101

केन्द्रीय विद्यालय, पोरबंदर

विद्यालय पत्रिका 2022-23

संपादक मंडल

मुख्य संरक्षक

श्रीमती श्रुति भार्गव
उपायुक्त
के.वि.सं. (क्षेत्रीय कार्यालय)
अहमदाबाद संभाग
(गुजरात)

श्री के. डी. लाखाणी (आई.ए.एस.)
कलेक्टर एवं जिलाधिकारी &
अध्यक्ष,विद्यालय प्रबंधन समिति)
केन्द्रीय विद्यालय, पोरबंदर

संरक्षक -

श्रीमती विनीता शर्मा
सहायक आयुक्त
के.वि.सं.(क्षेत्रीय कार्यालय)
अहमदाबाद संभाग
(गुजरात)

श्री राकेश टी कांतिवाल
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय, पोरबंदर

मुख्य संपादिका - श्रीमती अंजू शर्मा (परास्नातक शिक्षिका, हिन्दी)
सहायक संपादक - श्री संजय कुमार सैन (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, संस्कृत)
श्रीमती हरिता (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका, अंग्रेज़ी)

श्रुति भार्गव
Shruti Bhargava
उपायुक्त/Deputy Commissioner

केंद्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

अहमदाबाद संभाग/Ahmedabad Region
Sector-30, Gandhinagar (Guj) - 382030

F.12029/संदेश/2023/केविसं/क्षेका/अ'बाद

दिनांक: 17.08.2023

संदेश

मुझे बहुत हर्ष हो रहा है कि केंद्रीय विद्यालय पोरबंदर अपनी विद्यालय पत्रिका के नए अंक का ई-संस्करण प्रकाशित कर रहा है। विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की कल्पनाओं, विचारों और आकांक्षाओं को रचनात्मक मंच प्रदान करती है। जब भी कोई विद्यार्थी पत्रिका में अपनी नाम के साथ प्रकाशित रचना को देखता है तो उसके मन की खुशी अकल्पनीय होती है और वह खुशी उसे और ज्यादा करने के लिए प्रेरित करती है । मुझे विश्वास है कि विद्यालय पत्रिका में विद्यालय की सभी गतिविधियों के साथ-साथ विद्यालय द्वारा किए गए शैक्षिक नवाचारों को भी शामिल किया जाएगा जिससे सभी को उनकी जानकारी मिल सकेगी।

मैं, विद्यालय पत्रिका के ई-संस्करण के प्रकाशन को सफल बनाने के लिए विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों, स्टाफ एवं विद्यार्थियों के सृजनात्मक और रचनात्मक योगदान देने एवं प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग प्रदान के लिए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ और उनका अभिनंदन करती हूँ ।

(श्रुति भार्गव)

प्राचार्य,
केंद्रीय विद्यालय,
पोरबंदर ।

K. D. LAKHANI IAS
Collector & District Magistrate
Porbandar

सत्यमेव जयते

Collectorate, Porbandar (360 575)
Phone : 0286 - 2221800
Fax : 0286 - 2222527
E-mail : collector-por@gujarat.gov.in
Date :

-:: शुभकामना सन्देश ::-

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय, पोरबंदर अपनी सत्र 2022-23 की वार्षिक विद्यालय पत्रिका प्रकाशित करने जा रहा है।

वार्षिक पत्रिका विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा और रचनात्मक भविष्य की अभिव्यक्ति होती है और इसके माध्यम से उनके व्यक्तित्व में छिपी लेखकीय प्रतिभाओं को एक उचित और सशक्त मंच मिलता है। यह पत्रिका विद्यालय से जुड़े समस्त शिक्षको, शिक्षार्थियों और अभिभावको के लिए एक आदर्श दर्पण भी है, जिसके माध्यम से विद्यालय की सभी गतिविधियाँ प्रतिबिंबित होती हैं और विद्यालय के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सृजनात्मक सौष्ठव का भान सभी को कराती है।

मुझे आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका अपने मानक स्वरुप को ग्रहण करती हुई शिक्षा व केन्द्रीय विद्यालय संगठन के उद्देश्यों को साकार करेगी।

शुभकामना सहित।

के. डी. लाखाणी आई.ए.एस.
कलेक्टर & डिस्ट्रीक्ट मेजिस्ट्रेट
एवं
अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति
केन्द्रीय विद्यालय, पोरबंदर

प्राचार्य की कलम से

आपके समक्ष सत्र 2022-23 का, विद्यार्थियों की भावाभिव्यक्ति का प्रतिबिम्ब विद्यालय पत्रिका सहर्ष प्रस्तुत है | ध्यातव्य है कि शिक्षा विकास का आधार है और विद्यालय वह कर्मस्थल है, जहाँ कोई बच्चा अपने मन के विचारों एवं भावों को परिष्कृत कर सफलता के आसमान को छूने की कल्पना करता है | एक ओर जहाँ वह अपने भावी जीवन के कठिनतम क्षणों में सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने की आधारशिला रखता है, वहीं दूसरी तरफ वह कला के प्रति जिज्ञासा, उत्सुकता, कौतूहल व अनुसन्धान की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए अपनी बहुमुखी प्रतिभा का विकास भी करता है |

मुझे यह बताते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मकता, काव्य - कोमलता और जागरुकता का प्रतिबिम्ब है |

हम इस पत्रिका की मूल प्रेरणा स्रोत माननीय उपायुक्त महोदया, सहायक आयुक्त महोदया तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के प्रति कृतज्ञ हैं, जिनके प्रशंसनीय प्रयासों से यह पत्रिका सतत गतिशील है|

इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए विद्यालय परिवार, संपादक मंडल और विद्यार्थी सभी बधाई के पात्र हैं |

21/09/2023

श्री राकेश टी कांतिवाल
प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय पोरबंदर

संपादिका की कलम से

सुधी पाठकों,

सादर वन्दे !

सत्र 2022-23 का विद्यालय पत्रिका का यह संस्करण आपके हाथों में सौंपते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है | आज के विद्यार्थी भविष्य के निर्माता हैं | विद्यार्थी के लिए, विद्यालय वह दूसरा घर होता है, जहाँ पर पुस्तकों के साथ ही वह विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों के माध्यम से भी सीखता है | सीखने के विषय में कहा भी तो गया है कि -

"मुझे बताओ और मैं भूल जाऊँगा,
मुझे दिखाओ और शायद मैं याद रखूँगा,
मुझे शामिल करो और मैं समझूँगा।"

इसी परिप्रेक्ष्य में विद्यालय के क्रियाकलापों का निर्धारण किया जाता है | विद्यालय-पत्रिका के माध्यम से, न सिर्फ विद्यार्थियों को, अपितु शिक्षकों को भी अपने भावों व कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए मंच प्रदान किया जाता है | विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को देश व समाज के प्रति जागृत करने का विनम्र प्रयास किया गया है, जिस मे देश व समाज की परिस्थितियों को देखते हुए हमारे विद्यार्थी, सिर्फ मूकदर्शक की भूमिका में न रहकर सफल नागरिक के रूप में अपने स्तर पर कर्तव्यों का निर्वहन करें, ऐसी हमारी आशा है | इस पत्रिका के माध्यम से ये संदेश मैं देना चाहूँगी -

"शब्द कुछ ऐसे कहो, जो गीत बन जाएँ,
काम कुछ ऐसे करो, सब मीत बन जाएँ |
जन्म लेकर मनुज का, जीवन सफल कर दो,
हवा बन ऐसी बहो, सब फूल खिल जाएँ ||"

संपादिका होने के नाते अंत में, मैं उन सभी शिष्ट-विशिष्ट महानुभावों और प्रतिभाओं को अनेकानेक धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ, जिनके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग के परिणाम स्वरुप ही इस पत्रिका का प्रकाशन इतने सहज और सरल तरीके से हो पाया |

इसी के साथ मैं अपनी लेखनी को विराम देती हूँ |

जय हिन्द - जय हिन्दी

अंजू शर्मा
परास्नातक शिक्षिका (हिंदी)

HIGHLIGHTS OF AISSE/AISSCE 2022-23 CLASS X & XII RESULT OF KV PORBANDAR

CLASS-X

NO. OF STUDENTS APPEARED	36
No. OF STUDENTS PASSED	36
NO. OF STUDENTS PLACED IN COMPARTMENT	00
PASS %	100
OVERALL P.I.	59.51

LIST OF TOPPERS WITH PERCENTAGE	
NAME OF STUDENT	**%**
ANOUSHKA SARKAR	94.60
TANUPRIYA	87.80
TRUSHA RAMBHAI BAGIYA	87.80

CLASS-XII

NO. OF STUDENTS APPEARED	62
No. OF STUDENTS PASSED	55
NO. OF STUDENTS PLACED IN ESSENTIAL REPEAT	01
NO. OF STUDENTS PLACED IN COMPARTMENT	06
PASS %	88.71
OVERALL P.I.	53.59

TOP THREE PERFORMERS IN SCIENCE STREAM WITH PERCENTAGE	
NAME OF STUDENT	**%**
PUROHIT KHUSHI RASHMIN	94.00
SIMRAN JADEJA	90.00
NAGAJAN MODHVADIYA	83.60

TOP THREE PERFORMERS IN COMMERCE STREAM WITH PERCENTAGE	
NAME OF STUDENT	**%**
HAMZA SADIKOT	86.00
SARTHAK SINGH	85.80
AARFA RAVDA	85.80

OVERALL TOPPERS	
NAME OF STUDENT	**%**
PUROHIT KHUSHI RASHMIN	94.00
SIMRAN JADEJA	90.00
HAMZA SADIKOT	86.00

TOPPERS AND THEIR PHOTOS

CLASS – X LIST OF TOPPERS WITH PERCENTAGE & PHOTOS		
NAME OF STUDENT	**%**	**PHOTO**
ANOUSHKA SARKAR	94.60	
TANUPRIYA	87.80	
TRUSHA RAMBHAI BAGIYA	87.80	

CLASS- XII TOPPERS IN SCIENCE STREAM WITH PERCENTAGE & PHOTOS		
NAME OF STUDENT	**%**	**PHOTO**
PUROHIT KHUSHI RASHMIN	94.00	
SIMRAN JADEJA	90.00	
NAGAJAN MODHVADIYA	83.60	

CLASS- XII TOPPERS IN COMMERCE STREAM WITH PERCENTAGE & PHOTOS		
NAME OF STUDENT	**%**	**PHOTO**
HAMZA SADIKOT	86.00	
SARTHAK SINGH	85.80	
AARFA RAVDA	85.80	

REPORT OF AISSE/AISSCE 2022-23 CLASS X & XII RESULT OF KV PORBANDAR

Students of Kendriya Vidyalaya Porbandar performed well in CLASS X & XII results declared by CBSE.

In Class-X out of 36 students who appeared in exam, all students passed. The pass percentage of Class-X is 100%. The P.I. of Class-X is 59.51. Five students scored more than 80%. Ten students scored more than 75% in Class-X.

CLASS – X LIST OF TOPPERS WITH PERCENTAGE	
NAME OF STUDENT	**%**
ANOUSHKA SARKAR	94.60
TANUPRIYA	87.80
TRUSHA RAMBHAI BAGIYA	87.80

The subject-wise Pass % and PI achieved in Class-X is mentioned in the table below:

Subject	No. of students appeared	No. of students passed	Pass %	PI
English	36	36	100	62.15
Hindi	31	31	100	56.45
Sanskrit	5	5	100	55.00
Mathematics Standard	16	16	100	56.25
Mathematics Basic	20	20	100	63.75
Science	36	36	100	57.29
Social Science	36	36	100	61.46

In Class- XII 62 students appeared in exam and 55 students passed. One student is placed in 'Essential Repeat' and six students are placed in 'Compartment'. Overall pass percentage of Class-XII is 88.71%. Two students secured =>90% and Nineteen students secured =>75%. Miss PUROHIT KHUSHI RASHMIN scored =>95% in four out of five subjects. The highest P.I of 73.44 at school level was achieved in Computer Science. Overall P.I. of Class-XII is 53.59.

CLASS-XII OVERALL TOPPERS	
NAME OF STUDENT	**%**
PUROHIT KHUSHI RASHMIN	94.00
SIMRAN JADEJA	90.00
HAMZA SADIKOT	86.00

The subject-wise Pass % and PI achieved in Class-XII is mentioned in the table below:

Subject	No. of students appeared	No. of students passed	Pass %	PI
English Core	62	62	100	54.03
Hindi Core	38	38	100	50.99
Computer Science (New)	24	24	100	73.44
Physics	33	32	96.97	44.70
Chemistry	33	31	93.94	55.68
Biology	16	14	87.50	36.72
Mathematics	17	15	88.24	45.59
Economics	29	29	100	62.07
Business Studies	29	28	96.55	51.72
Accountancy	29	28	96.55	54.74

Thus, the Vidyalaya yet again performed well in CBSE Board results.

*****

केंद्रीय विद्यालय, पोरबंदर
पाठ्यसहगामी क्रियाकलाप प्रतिवेदन
सत्र 2022-23

	'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम	'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम
अप्रैल 2022	विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास और इसकी विविधता के बारे में जागरुक करने के लिए प्रार्थना सभा में प्राचार्य महोदय द्वारा भाषण दिया गया ।	भाषा संगम के तहत प्रत्येक कार्य दिवस पर कम से कम एक भाषा सीखने के लिए कक्षा VI-XII के सभी छात्रों द्वारा संकल्प लिया गया ।
	भविष्य के उपयोग के लिए पानी कैसे बचाएँ "हमारा पानी, हमारा भविष्य" विषय पर नारा व निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।	'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा युग्मित राज्यों (भाषा संगम) के 100 वाक्य सीखने का प्रयास किया गया ।
अप्रैल माह में माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा विद्यार्थियों के परीक्षा के तनाव को दूर करने के लिए 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, उसका लाइव प्रसारण हमारे विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ सहयोगी M.E.M. विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा भी देखा गया ।		
मई 2022	भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों और गुमनाम नायकों द्वारा इस्तेमाल किए गए देशभक्ति गीतों, चित्रों, नारों और समाचारों का संग्रह विद्यार्थियों द्वारा किया गया ।	युग्मित राज्य की भाषा में सीखे गए 100 वाक्यों के वीडियो बनाए गए और युग्मित राज्य के गाने गाए ।
मई माह में ग्रीष्मावकाश के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय की दीवारों पर पेंटिंग का कार्य किया गया ।		
जून 2022	दांडी मार्च पर स्क्रैप बुक तैयार की गई, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान और भारत का संविधान लिखा गया । योग दिवस पर 'योग और ध्यान' विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया ।	युग्मित राज्य की भाषा में लोकप्रिय फिल्मों का प्रदर्शन विद्यार्थियों के लिए किया गया व विद्यार्थियों के द्वारा फिल्मों की समीक्षा हिंदी व अंग्रेजी में लिखी गई ।
जून माह में ग्रीष्मावकाश के दौरान विद्यार्थियों द्वारा 3 जून 'विश्व साईकिलिंग दिवस' के अवसर पर साईकिल रैली के द्वारा महात्मा गाँधी के जन्म स्थान कीर्ति मंदिर तक जाया गया । 4 जून 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों द्वारा विद्यालय परिसर में 100 वृक्षों का आरोपण किया गया । 21 जून को 8वें 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा भेजे गए सात दिवसीय कार्यक्रम का पालन करते हुए प्रतिदिन योग क्रियाएँ कराई गईं ।		

जुलाई 2022	पोरबन्दर के कीर्ति मंदिर (महात्मा गाँधी के जन्मस्थल) व असमावती रिवर फ्रंट का शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के द्वारा करके उनके अनुभव साझा किए गए | एकल प्रयोग प्लास्टिक को कैसे खत्म किया जाए - स्कूल के अंदर और बाहर दोनों जगह अभियान चलाया गया |	युग्मित अवस्था की भाषा के 100 वाक्यों के सीखने का समापन किया गया | युग्मित अवस्था की भाषा में सीखे गए 100 वाक्यों को विद्यार्थियों के द्वारा लिखा गया |
अगस्त 2022	समूह गायन / फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता / प्रभात फेरी आदि के माध्यम से आजादी के संघर्ष को फिर से जीवंत किया गया | भारत की स्वतंत्रता के 75 गुमनाम नायकों के बारे में, भारत की स्वतंत्रता के 75 ज्ञात स्थान, भारतीय स्वतंत्रता की 75 घटनाओं के बारे में विद्यार्थियों के द्वारा लिखा गया |	स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया |
आज़ादी का अमृत महोत्सव के पत्र के अनुपालनार्थ 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत के राष्ट्रीय चिन्हों को प्रदर्शित किया गया | 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों द्वारा अपने घर पर व विद्यालय में तिरंगा फहराया गया | विद्यार्थियों द्वारा तिरंगों के साथ प्रभात रैली निकाली गई |		
सितंबर 2022	भारत के स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक घटनाओं/ घटनाओं पर स्केच ड्राइंग और स्पष्टीकरण सामग्री विद्यार्थियों के द्वारा तैयार की गई |	युग्मित राज्य छत्तीसगढ़ में स्थित केंद्रीय विद्यालय, किरंदुल के विद्यार्थियों के साथ केंद्रीय विद्यालय पोरबन्दर के विद्यार्थियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई, जिसमें दोनों राज्यों के विद्यार्थियों ने परस्पर वार्तालाप के माध्यम से व वीडियो के माध्यम से एक-दूसरे राज्य की संस्कृति को जानने का प्रयास किया।
अक्टूबर 2022	'भारत की स्वतंत्रता का कैसे पोषण करें व उसे कैसे संरक्षित रखें' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया | 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर विद्यार्थियों को सरदार वल्लभभाई पटेल से संबंधित वीडियो दिखाए गए व सभी ने शपथ ग्रहण की |	कला, पेंटिंग, भोजन पर प्रदर्शनी, शास्त्र युग्मित राज्य के स्मारकों के बारे में बताया गया |

नवम्बर 2022	26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया गया	संबंधित राज्य/जिले के स्वतंत्रता सेनानियों/अनसंग हीरोज के परिवारों को छात्रों द्वारा पत्र/डिजाइन ग्रीटिंग कार्ड लिखे गए		'भारत का संविधान', भारतीय नागरिक के अधिकारों और कर्तव्यों पर छात्रों द्वारा प्रश्न तैयार किए गए मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर भाषण, निबंध, प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया	भारत के संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा गया	
दिसम्बर 2022	स्वतंत्रता सेनानियों और अनसंग हीरोज के बारे में छात्रों की भूमिका क्या हो सकता है ? इस विषय पर विद्यार्थियों द्वारा लेखा लिखे गए		छठी से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा युग्मित राज्य की स्टेट प्रोजेक्ट नोट बुक/स्क्रैप बुक, युग्मित अवस्था पर डिजिटल फोटो कोलाज बनाए गए	
जनवरी 2022	नेताजी और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अद्वितीय योगदान के बारे में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया		परीक्षा के लिए स्कूल स्तर के आंतरिक मूल्यांकन के लिए कला परियोजना कार्य प्रदान किया गया	
फरवरी 2022	मैं राष्ट्र की दृष्टि के निर्माण में कैसे योगदान दे सकता हूँ ? विषय पर विद्यार्थियों की भाषण प्रतियोगिता कराई गई		ईबीएसबी की वार्षिक गतिविधियों के लिए स्कूल रिपोर्ट पत्रिका (ई-पत्रिका) का निर्माण किया गया	

इस प्रकार वर्ष पर्यंत पाठ्यसहगामी क्रियाएँ सुनियोजित रूप में संपन्न हुईं |

पाठ्य सहगामी क्रिया प्रभारी

अंजू शर्मा

परास्नातक शिक्षिका (हिंदी)

स्काउट गाइड प्रतिवेदन सत्र 2022-23

केंद्रीय विद्यालय पोरबंदर ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया -

1.) स्वतंत्रता दिवस देशभक्तिपूर्ण उत्साह और वृक्षारोपण गतिविधि के साथ मनाया गया।

2.) छात्रों ने वैश्विक ऑनलाइन 'टाइड टर्नर' चुनौती में भाग लिया जिसमें प्लास्टिक कचरे से पृथ्वी को बचाने और इसे और अधिक हरा-भरा बनाने में मदद करने के आदर्श वाक्य के साथ उन्होंने नारा लेखन, और लघु नाटक जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

3.) 21 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस' मनाया गया जिसमें शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया और विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया |

4.) स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रूप में 5 जनवरी से 11 जनवरी तक युवा सप्ताह उत्सव गतिविधि के रूप में युवा चैलेंज हब के रूप में मनाया गया।

5.) युवा सदस्यता प्रणाली यू.आई.डी. पंजीकरण के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया तत्पश्चात यह प्रशिक्षण अहमदाबाद संभाग के प्रशिक्षित स्काउट शिक्षकों के लिए भी आयोजित किया गया था।

6.) एम.एस. पंजीकरण प्रक्रिया पर विद्यालय स्तर पर छात्रों को उनके संबंधित यू.आई.डी. के लिए नामांकित करने के लिए शुरू किया गया |

सुश्री जिगीषा व्यास
प्राथमिक शिक्षिका

COMMON MINIMUM PROGRAMME (CMP)

The Common Minimum Programme (CMP) introduced by KVS to strengthen primary education for qualitative improvement in Primary classes.

Elementary education in the Primary Section is imparted through various activities and play way methods known as Common Minimum Programme (CMP).

Activities under CMP

Conduction of School Readiness Programme
Implementation of Funday
Conduction of various activities to enhance various skills of students such as dance , drama, speech, poem recitation etc.

(I) Organisation of CCA activities for the over all development of the students Essay writing, poem recitation, paragraph writing, role play, drawing competition, creative writing etc.

(II) Celebration of various Important days such as World Environment day , International Yoga Day, etc.

(III) Conduction of English communication classes to develop good communication skills among students from class III- V

(iv) Conduction of music classes to enhance skills among students .

Shobha Panchal
(Primary Teacher)

हिंदी विभाग

अनुक्रमणिका

क्रम	विषय	नाम
1	कविता - **आज़ादी के उत्सव हेतु, सबको आगे आना होगा** (स्वरचित)	अंजू शर्मा, परास्नातक शिक्षिका (हिन्दी)
2	कविता - **इस लड़ाई को लड़ना होगा** (स्वरचित)	श्रीमती हरिता, स्ना.प्र.शिक्षिका (अंग्रेजी)
3	कविता - मेरा खोया बचपन (स्वरचित)	रिद्धि ओडेदरा, बारहवीं 'ब'
4	कविता - कमियों से अँखियाँ (स्वरचित)	हेतवी लालानी, आठवीं 'ब'
5	कविता - हिंदी हमारी जान है	पायल राठोड़, बारहवीं 'अ'
6	कविता - मेरा यह के. वि. स्कूल	शगुन चौहान, दसवीं 'ब'
7	कविता - सपनों में रख आस्था	तान्या, दसवीं 'ब'
8	कविता - शिक्षक	पलक पाल, दसवीं 'ब'
9	कविता - माँ (स्वरचित)	पायल ओडेदरा, बारहवीं 'ब'
10	कविता - ज़िंदगी ये तुम्हारी है (स्वरचित)	ईशा चौहान, दसवीं 'अ'
11	कविता - बचपन	कशिश बसेरा, छठी 'ब'
12	कविता - जीवन क्या है ?	आर्यन, बारहवीं 'ब'
13	कविता - तो हो अच्छा	उर्विश आर ओडेदरा, दसवीं 'ब'
14	कविता - दुःख- दवा	उर्विश आर ओडेदरा, दसवीं 'ब'
15	कविता - प्रकृति	लिपि वानिया, दसवीं 'ब'
16	कविता - माँ (स्वरचित)	सेजल, सताक्षी, नवीं 'अ'
17	कविता - पिता (स्वरचित)	सताक्षी, नवीं 'अ'
18	कविता - गुरु तुम भगवान समान	सताक्षी, नवीं 'अ'
19	कविता - कोशिश करके हल निकलेगा	तृषा बगिया, ग्यारहवीं 'अ'
20	कविता - देखो हँस न देना	देविषा, बारहवीं 'ब'
21	कविता - बूझो तो जानें	आदित्य, बारहवीं 'ब'
22	एक भारत-श्रेष्ठ भारत (छत्तीसगढ़ राज्य)	जानवी मोघवाडिया, ग्यारहवीं 'ब'
23	कविता - एक भारत-श्रेष्ठ भारत	दीपेन वाडिया, ग्यारहवीं 'अ'
24	कविता - अपने भारत को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाएँ	उर्वशी ओडेदरा - ग्यारहवीं 'ब''
25	कविता - है सुनहरा लेख भारत।	अनिकेत, बारहवीं 'ब'
26	छत्तीसगढ़ी दंतकथा	हीरल सरमा, बारहवीं 'ब'

आज़ादी के उत्सव हेतु, सबको आगे आना होगा |

जीवन की इस भाग-दौड में, स्वप्नों को पूरा करने हित,
मेहनत करने के खातिर, सबको मिलकर जुट जाना होगा,
आज़ादी के उत्सव हेतु, सबको आगे आना होगा।
नारी के आँसुओं को जो नर, उसके मन की कमजोरी समझें,
समाज में ऐसे पुरुषों को, सही राह पर लाने हेतु,
सच का दर्पण दिखलाना होगा।
आज़ादी के उत्सव हेतु, सबको आगे आना होगा।
अश्रु नहीं होते कमजोरी, बालक के हों या नारी के,
भावों को दर्शाते हैं वे, परिचायक वे सच्चाई के,
किन्तु मार्ग भटकाने हेतु, ये हथियार नहीं बन जायें,
ये सबको समझाना होगा ।
आज़ादी के उत्सव हेतु, सबको आगे आना होगा।
झूठे, मक्कारों के बोझ से, काँप रही है ये धरती भी,
कलियुग के इस कालचक्र में, विवश हो रही मानवता भी,
पापों के इस महाप्रलय में, कन्याओं की रक्षा हेतु,
भीषण व्रत अपनाना होगा ।

आज़ादी के उत्सव हेतु, सबको आगे आना होगा।
मेहनत के बिन सभी अधूरे, सपने कैसे होंगे पूरे ?
एक-एक के जुडने से भी, लाख रुपये यदि हो जाते हैं,
तो दानवता के विनाश हित, मानव क्यों न जुड जाते हैं ?
ईश्वर की सुन्दरतम रचना, होकर भी जो हारे मन से,
तो सोचो क्या लाभ भला है, उसके ऐसे इस जीवन से ?
अपनी विकट समस्याओं का, स्वयं उसे हल पाना होगा ।
आज़ादी के उत्सव हेतु, सबको आगे आना होगा।
आज़ादी के जिस सपने को, सबने मिलकर साकार किया है,
स्वतंत्रता के 75 वर्षों को, भारतीयों ने खूब जिया है,
आतंकवाद, साम्प्रदायिकता जैसे, ज्वलंत प्रश्न हैं आज उपस्थित,
समस्याओं के समाधान हित, हमको रहना होगा जागृत,
उत्सव होगा तभी सार्थक, मानवता जब रहे मनों में,
आज़ादी का दीप जलाएँ, हम हिन्दू-मुस्लिम सब घर में |

देशभक्ति की ज्वाला को, हम सबको दिल में जलाना होगा,
आज़ादी के उत्सव हेतु, सबको आगे आना होगा।

स्वरचित
अंजू शर्मा
स्नातकोत्तर शिक्षिका (हिंदी)

इस लड़ाई को लड़ना होगा

हर कदम
जब जब कदम आगे बढ़ाया
जीत के रास्ते पर, तुमने
खुद को ऊंचा पाया
बुलंद हौसला हर नई राह पर, मगर
मंजिल ने बेपनाह रुलाया
ज़िद और जज़्बात जायज़ होंगे।
फिर भी,
रास्ता लंबा होगा, कठिनाइयों से जूझना होगा,
खुद को निचोड़कर पसीना खून का बहाना होगा,
रातों की नींद को भूल कर
अपने दिल के चैन को छुपाना होगा
कर बुलंद हौसला अपना
इस लड़ाई को लड़ना होगा
तुम्हें, हर जीत से पहले
हार का जश्न भी मनाना होगा
खुद को भूल कर ही
अपनी मंजिल को पाना होगा
तुम्हारी हर हार पर खुश होने वाले को
चंद लम्हों के लिए ही सही, पर
जिताना होगा।
अपनी मंजिल को पाने से पहले
रास्तों का खामियाजा चुकाना होगा,
राह आसान नहीं होगी,
जीत के सपने कम और हार ज्यादा आएगी,

बहुत ज्यादा टूट जाओगे जब तुम, आखिर,
तब मंजिल तुम्हारे करीब आएगी,
हार अपनी आखिरी सांसें तब लेगी
जब तुम मंजिल की तलब पालोगे,
सब कुछ भूल कर,
स्वार्थी बन जाओगे,
मंजिल की खातिर जब अपनों से लड़ जाओगे
जब हार मानेगी तुम्हारी मंजिल
तब तुम हर उस पहले कदम का शुक्र मनाओगे।

स्वरचित
हरिता गोहिल
स्नातक प्रशिक्षित शिक्षिका (अंग्रेज़ी)

मेरा खोया बचपन

जब मैं पहली बार इस घर में आया था,
न जाने कौनसी खुशी का पिटारा लाया था,
मानो जैसे मेरी एक किलकारी और सारा घर रोशन हो उठता था,
मेरी हर एक हरकत को सराहा जाता था,
मेरे मुख से निकला वह पहला शब्द सुन किसी की आँखें भर आई |
मेरा पहला कदम देख, किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट छा गई |
इस घर का हर एक कोना जैसे कोई रोमांच सा था,
मेरा पलंग पे से उतरना किसी जंग को जीतने जैसा था,
क्या दिन थे वह; मेरी खामोशी को सुन लिया जाता था,
मेरी आँखों को पढ़ लिया जाता था,
बिना मेरे कुछ कहे मुझे समझ लिया जाता था,
कैसा था वह बचपन,
न दुनिया की फिकर, न खुद की चिंता,
अपनी अलग ही जिंदगी, अलग ही ख्वाब,
अलग ही दुनिया थी ।
पर अब बढ़ती उम्र के साथ जैसे सब बदल रहा हो,

परिवार वही है बस व्यवहार बदल रहा है,
जिनसे अपने दिन के किस्से बताने को पूरे दिन मचलते थे,
आज उन्हीं से बातें छुपाने लगे हैं,
हम समझा नही पा रहे, वो समझ नही पा रहे
आज शब्द पूरे हैं, बस बात जा रही है, पर पहुँच नही पा रही,
मेरी किताब का हर पन्ना भरा है बस कोई पढ़ नही पा रहा,
अगर पढ़ पा रहा है तो समझ नही पा रहा,
बचपन से बड़े होने की चाह थी,
जो भी इच्छा आज वह सब है मेरे पास बस मेरा बचपन नही है,
बचपन में पता होता कि बड़े होने की कीमत मेरा बचपन है,
तो मुझे कभी यह इच्छा ही नहीं होती,
वह मासूम सी जान आज कहीं लापता है,
जिसे सिर्फ अपने आनंद की चिंता थी,
वह मासूम मेरे किसी कोने में है,
वह पुकार रहा है, पर कोई सुन नहीं पा रहा,
वह खुश रहना चाहता है, पर कोई रहने नहीं देता,
कहना चाहता है पर कह नहीं सकता,
न जाने कहाँ है वह बचपन, किस राह पर वह हमसे बिछड़ गया,
आज सिर्फ यादें है बचपन नहीं, न जाने मेरा बचपन कहाँ खो गया ?

ओडेदरा रिद्धि बेन
बारहवीं ब

कविता - कमियों से अँखियाँ

कमियों से अँखियाँ मिलाकर तो देखो, ज़िंदगी खूबसूरत बनेगी |
सहला के देखो खामियों को, बदल के कामयाबी मिलेगी |
छेड़ के देखो उजाले को, अंधकार से निकली वो रोशनी मिलेगी |
कमियों से अँखियाँ मिलाकर तो देखो, ज़िंदगी खूबसूरत बनेगी |
होशोहवास में खड़े होकर देखो, मंज़िल सामने खड़ी मिलेगी |
गौर से देखो उस दिए को, उम्मीदों से भरी एक किरण दिखेगी |
कमियों से अँखियाँ मिलाकर तो देखो, ज़िंदगी खूबसूरत बनेगी |

हेतवी लालानी
कक्षा आठवीं 'ब'

हिंदी हमारी जान है

हम हिंदी हैं, हिंदी का हम सबको अभिमान है,
सारी भाषाएँ प्यारी हैं, पर हिंदी हमारी जान है |
जन में हिंदी, मन में हिंदी, हिंदी हो हर ग्राम है,
एक सुर है एक ताल है, एक हमारी तान है |
सारी भाषाएँ प्यारी हैं, पर हिंदी हमारी जान है |
राजभाषा है ये हमारी, राष्ट्रीयता का प्रतीक है,
हिंदी का विरोध करना क्या यह बात ठीक है ?
हिंदी की जो निंदा करते, वे अब तक नादान हैं |
सारी भाषाएँ प्यारी हैं, पर हिंदी हमारी जान है |
पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण, हिंदी का हो शासन,
हर नेता दिया करे सिर्फ हिंदी में भाषण |
विश्व में फैले हिंदी, हम सब का अरमान है |
सारी भाषाएँ प्यारी हैं, पर हिंदी हमारी जान है |

पायल राठोड़
कक्षा बारहवीं 'अ'

मेरा यह के. वि. स्कूल

सुन्दर सरोवर में, जैसे एक कमल का फूल
सबसे अच्छा मेरा यह के. वि. स्कूल
मुँह नहीं मोड़ा करते,
शिक्षक कभी पढ़ाने से|
राह दिखाया करते हैं
सादगी और सच्चाई से |
सदा रहें गुरुजनों के,
वरदहस्त अनुकूल |
सबसे अच्छा मेरा यह के. वि. स्कूल

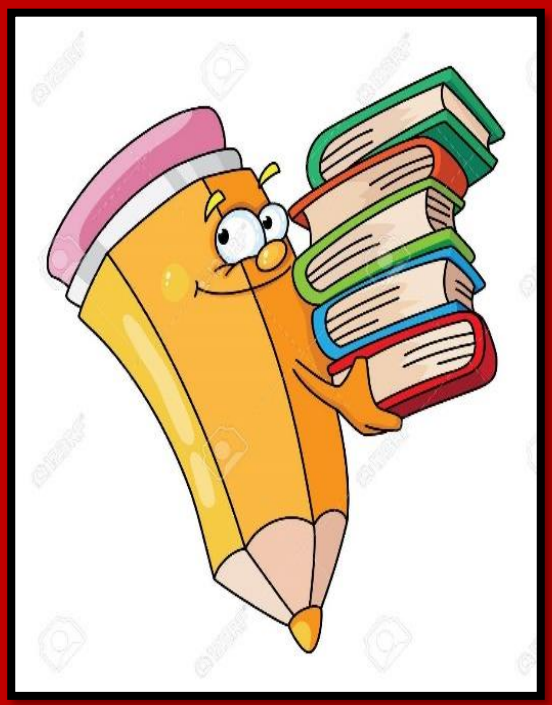

शगुन चौहान

कक्षा दसवीं 'ब'

सपनों में रख आस्था

फिर हो जा खड़ा |
समस्याओं को रास्तों से निकाल दे,
चट्टान भी हो तो ठोकर से उछाल दे,
रख हिम्मत तूफानों से टकराने की,
जरूरत नहीं है किसी मुसीबत से घबराने की |
जो पाना है बस उसकी एक पागल की तरह चाहत कर,
करता रह कर्म मगर साथ में,
खुदा भी इबादत भी कर |
फिर देख किस्मत क्या-क्या रंग दिखलाएगी,
तुझको तेरी मंज़िल मिल जाएगी, मंज़िल मिल जाएगी |

तानिया
कक्षा दसवीं 'ब'

शिक्षक

जीवन में राह दिखाए, सही तरह चलना सिखाए |
माता-पिता से पहले आता, जीवन में सदा आदर पाता |
सबकी मानप्रतिष्ठा जिससे, सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे,
कभी रहा न दूर मैं जिससे, वह मेरा पथप्रदर्शक है जो,
मेरे मन को भाता, वह मेरा शिक्षक कहलाता |
कभी है शांत, कभी है धीर, स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता |

पलक पाल
कक्षा दसवीं 'ब'

माँ

माँ एक ऐसा उपहार है
जिसे चाहता है भगवान् भी पाना |
माँ के आँचल में सारा संसार है
वह प्रेम का भण्डार है |
दर्द हमें होता है जब,
मुँह से माँ निकलता है
क्योंकि चोट हमें लगने पर,
दिल माँ का तड़पता है |
माँ के आँचल की छाया, बदल देती हर काया,
लिखती हूँ मैं बहुत आज, पर तुम्हीं हो जिसने
पहला अक्षर लिखना सिखाया
माँ मैं कहती नहीं हूँ
पर हर दिन हर पल
मैं प्यार तुझे करती हूँ |

स्वरचित
पायल ओडेदरा
कक्षा बारहवीं 'ब'

ज़िंदगी ये तुम्हारी है

मुसीबतें सब की ज़िंदगी में आती हैं
इससे डरो मत इसका सामना करो
ज़िंदगी ये तुम्हारी है
कि वो आने वाली मुसीबत का सामना करो
ये तुम्हें कोई न कोई सीख दे के जाएगी
ज़िंदगी ये तुम्हारी है
कि इसके खेल हैं हजारों
पार करते हैं गए तो खेल
और नहीं तो मुसीबत
सब तुम्हें सिखाकर चले
जायेंगे करना तो तुम्हें है
ज़िंदगी ये तुम्हारी है

ईशा चौहान
कक्षा दसवीं 'अ'

बचपन

बीत गया बचपन, बीत गया बचपना,
छोड़ गई ख्वाहिशें, रह गई यादें,
अपने ख्वाब बदल गए,
हो गए सयाने |
रह गई यादें ,
बीत गया बचपन |
रंगों की पसंद, अब पड़ गई है फीकी,
हो गए सयाने, बीत गया बचपन |

कशिश बसेरा
कक्षा छठी 'ब'

जीवन क्या है ?

जीवन एक चुनौती है, उसका सम्मान करो |
जीवन एक खेल है, उसे भरपूर खेलो |
जीवन एक प्रतिज्ञा है, उसे पूरा करो |
जीवन एक प्रीति है, उसका आनंद लो |
जीवन एक उपहार है, उसे स्वीकार करो |
जीवन एक पहेली है, उसे हल करो |
जीवन एक शिक्षा है. उसे सीखो |

आर्यन
बारहवीं 'ब'

तो हो अच्छा

वाद- परिवाद, चर्चा-परिचर्चा,
निष्कर्ष इन सबका हो कोई, **तो हो अच्छा**
चर्चा हो मन के असह्य पीड़ा की,
वेदना में तपते से जीवन की,
विरह में जलते मन के आलिंगन की,
सावन में सूखे की हो चर्चा, तो हो अच्छा
कुशाग्रता का न हो कोई अभाव,
अज्ञानता हो जब निष्प्रभाव
विवेकशीलता का दूरगामी प्रभाव
संस्कार के जले हो प्रकार, **तो हो अच्छा |**

उर्विश आर ओडेदरा, कक्षा दसवीं 'ब'

महान कार्य को करने का एक ही तरीका है जो आप कर रहे हैं उसे पसंद करें |

दुःख - दवा

मत पूछ कहाँ कितनी पीड़ा
हम दिन-प्रतिदिन पिघलाते हैं |
फिर भी होठों पर हँसी टाँग,
संगी का मन बहलाते हैं |
जीवन में कम उल्लास न हो,
चाहे फिर कुछ भी पास न हो |
यह प्रेम परायण मन ही तो
नव स्वप्नधरा दिखलाते हैं |

उर्विश आर ओडेदरा
कक्षा दसवीं 'ब'

प्रकृति

हम इस धरती पर रहने वाले,
बोलो क्या क्या करते हैं,
सब कुछ करते बर्बाद यहाँ,
और घमंड में रहते हैं |
बोलो बिना प्रकृति के,
क्या यहाँ पर तुम्हारा है |
जो तुम करते उपयोग यहाँ पर
क्या उस पर अधिकार हमारा है |
इतना मिलता हमें प्रकृति से
क्या इसके लिए करते हैं
सब कुछ लुटा के करते बर्बाद
न बात इतनी सी समझते हैं
एक दिन सब हो जाएगा खत्म
तब कहाँ से संसाधन लाओगे
तब आएगी याद ये बर्बादी
और निराश हो जाओगे
मत भूलो सबका योगदान यहाँ
चाहे पेड़ या पर्वत हो

रखो हरियाली पूरे जग में
प्रकृति हमेशा शाश्वत हो |
लिपि वानिया
कक्षा दसवीं'ब'

माँ

माता, माँ, जननी वो कहलाती है,
प्यार से सहलाती है |
दुनिया से लड़ जाती है |
कुछ भी वो कर जाती है |
ममता की मूरत है वो ,
चाँद सी सूरत है वो
अंधेरों की सूरज है वो |
सबसे पहले उठती है
देर से वो सोती है
घर को वो संभालती है
हमारी मदद वो करती है
सबसे प्यारी जग से न्यारी वो है माँ |

स्वरचित
सेजल, सताक्षी
कक्षा नवीं'अ'

पिता

पिता वह अजीब हस्ती है, जिसके साए में औलाद की खुशियाँ बसती हैं,
हाथों की लकीरों में तलाशूँ मैं क्यों किस्मत अपनी
किस्मत बनकर वह हर कदम साथ है मेरे
जीवन को सीखा था जब समझना मैंने
कदम हर कदम साथ वह मेरे चलते रहे |
यशवी गोस्वामी
कक्षा सातवीं

आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ

पक्षियों ने इक सभा बुलाई,

सबने अपनी बात सुनाई
सुन रहा था बूढा तोता
जो ऊँची डाली पर बैठा
सबकी समस्या लाया कौआ
हम सब हैं मुश्किल में भैया
न तो हमें मिलता स्वच्छ जल
और दिखते हैं बहुत कम जंगल |
न दिखती है शीतल छाया
जाने कैसा समय है आया
दूर देश उड़कर जाते हैं
तब जाकर भोजन पाते हैं
क्यों न हम मिलकर सुलझाएँ
हम अपने कुछ नियम बनाएँ
आओ धरा को सुन्दर बनाएँ
हम सब एक एक वृक्ष लगाएँ |

सताक्षी
कक्षा नवीं 'अ'

गुरु तुम भगवान समान

देते शिक्षा बाँटते ज्ञान
सब तुम्हारे लिए एक समान
चाहे हो बच्चा या जवान
हँस हँस के तुम पढ़ाते हो
भले के लिए रुलाते हो
गुरु तुम भगवान समान
देते शिक्षा बाँटते ज्ञान
तुम हमारे भविष्य बनाते
ज़िदगी में सफल कराते
तुम नहीं करते किसी का अपमान
सबका करते हो सम्मान
गुरु तुम भगवान समान
देते शिक्षा बाँटते ज्ञान |

सताक्षी
कक्षा नवीं 'अ'

कोशिश करके, हल निकलेगा

आज नहीं तो, कल निकलेगा.
अर्जुन के तीर-सा सध,
मरूस्थल से भी जल निकलेगा.
मेहनत कर, पौधों को पानी दे,
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा |
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,
फ़ौलाद का भी बल निकलेगा,
जिंदा रख, दिल में उम्मीदों को,
गरल के समंदर से भी गंगाजल निकलेगा.
कोशिशें जारी रख कुछ कर गुजरने की,
जो है आज थमा-थमा सा, चल निकलेगा |

तृषा बगिया
ग्यारहवीं 'अ'

देखो हँस न देना

अध्यापक :- संतोष आम खाता है |
इस वाक्य को अंग्रेजी में ट्रांसलेट करो?
पप्पू ने अंग्रेज़ी में ट्रांसलेट किया :-
Satisfaction is General Account!!
😂🤣🤣🤣🤣🤣

टीचर केमिस्ट्री पढ़ा रही थी |

टीचर:पानी का फार्मूला बताओ..

पप्पू : H2O+mgcl2+caso4+alcl3+NaOH+koh+HNO3+HCL+CO2

टीचर:(गुस्से में)- गलत है ये

पप्पू: Mam ये नाले का पानी है!

😜😝😝😝😝😝

टीचर : होमवर्क क्यों नहीं किया ..?

स्टूडेंट : सर, लाइट नहीं थी .

टीचर : तो मोमबत्ती जला लेते .

स्टूडेंट : सर, माचिस नहीं थी .

टीचर : माचिस क्यों नहीं थी ?

स्टूडेंट : पूजा घर में रखी हुई थी .

टीचर : तो वहाँ से ले आते ...

स्टूडेंट : नहाया हुआ नहीं था

टीचर : नहाया हुआ क्यों नहीं था .?

स्टूडेंट : पानी नहीं था सर .

टीचर : पानी क्यों नहीं था ..?

स्टूडेंट : सर मोटर नहीं चल रही थी .

टीचर : मोटर क्यों नहीं चल रही थी ..??

स्टूडेंट : सर बताया तो था लाइट नहीं थी ....!

😂😂😂😂😂😠

टीचर - 1 से 10 तक गिनती सुनाओ।

संता ..1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9, 10..

टीचर - 6 कहाँ है ?

संता - जी वो तो मर गया।

टीचर - मर गया? कैसे मर गया???

संता ...जी मैडम, आज सुबह टीवी पर न्यूज़ में बता रहे थे कि स्वाईन फ्लू में 6 की मौत हो गई !

😜😜😂😂😂

टीचर गोलू से- पाँच में से पाँच घटाने पर कितने बचेंगे ??

.गोलू - पता नहीं मैडम.

.टीचर- अगर तुम्हारे पास 5 भटूरे है, और मैं 5 भटूरे तुमसे मै ले लूँ तो तुम्हारे पास क्या बचेगा ??

.गोलू- .....छोले।

😂😂😂😂😂😂😂

टीचर :- न्यूटन का नियम बताओ..

स्टूडेंट :- सर पूरी लाइन तो याद नहीं,, लास्ट का याद है.

टीचर :- चलो लास्ट का ही सुनाओ

स्टूडेंट :-...और इसे ही न्यूटन का नियम कहते है...!!!!

😆😝😂🤣🤣🤣

अध्यापक - चिंटू तुम कल स्कूल क्यों नहीं आए ?

चिंटू - सर, कल मैं सपने में अमरीका चला गया था |

अध्यापक - ठीक है ! पिन्टू तुम क्यों नहीं आए?

पिन्टू - सर, मैं चिंटू को एयरपोर्ट छोड़ने गया था |

😝😝😝😝😝😝😝

अध्यापक ने सभी बच्चों से

‘क्रिकेट मैच’ पर निबंध लिखन को कहा:

सभी छात्र अपनी-अपनी कापी लेकर निबंध लिखने में जुट गए।

मगर ??

पप्पू चुपचाप बैठा था..

अध्यापक ने उसकी कापी देखी

उस पर सिर्फ एक लाइन लिखी थी:

‘बारिश की वजह से मैच स्थगित कर दिया गया है।‘

😜😝😜😵😱😝

अध्यापक ने रमेश से कहा - रमेश ! सोना अधिक कहाँ होता है ?

रमेश ने कहा - जी ! जहाँ रातें अधिक लंबी होती है, वहीं सोना अधिक होता है |

😜🤣🤣🤣🤣🤣🤣

टीचर - संजू यमुना नदी कहॉ बहती है ?

संजू - जमीन पर

टीचर - नक्शे में बताओ कहाँ बहती है ?😣😣

संजू - नक्शे में कैसे बह सकती है, नक्शा गल नहीं जाएगा ?

😂😂😂😂😂

अध्यापक - तुम कैसे सिद्ध करोगे कि साग-पात खाने वाले की निगाहें तेज होती है |

छात्र - सर ,आज तक किसी ने बकरे या घोडे को चश्मा लगाते देखा है क्या ?

😜🤣🤣🤣🤣🤣

टीचर: घर की परिभाषा बताओ ।

टीटू: जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे “हाऊस” कहते हैं...

जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें “होम” कहते हैं...

जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें “हवेली”कहते हैं...

जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें “मकान” कहते हैं...

जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें “फ्लैट” कहते हैं...

और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है उन्हें “बंगला” कहते हैं

टीटू को student of the year चुना गया

😜🤣🤣🤣🤣🤣

शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है ।

टीचर : वाक्य को अंग्रेजी में ट्रांसलेट करो ‘वसंत ने मुझे मुक्का मारा’ |

संजू : वसन्तपंचमी

😂😂😂😂😂

टीचर : मैं 2 वाक्य दूँगा, आपको उसमें अंतर बताना है |

1. उसने बर्तन धोये

2. उसे बर्तन धोने पड़े

संजू : पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

😂 😃 😃 😂

टीचर : एक टोकरी में 10 आम है , उसमें से 2 आम सड़ गए , बताओ कितने आम बचे ?

संजू : सर , 10 आम

टीचर : वो कैसे ?

संजू : सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेगा ना , केले तो बन नहीं जायेंगे 😂😂

आज संजू एक वकील है

😂🤪😂😂😂

देविषा

कक्षा बारहवीं 'ब'

बूझो तो जानें |

1 :- बिन खाए, बिन पिए, सबके घर में रहता हूँ |
न खाता हूँ, न रोता हूँ, घर की रखवाली करता हूँ |
उत्तर :- ताला |

2 :- सिर पर कलगी, पर मुर्गा नहीं हूँ |
करता हूँ नाच, पर कलाकार नहीं हूँ, तो बताओ आखिर क्या हूँ ?
उत्तर :- पीकॉक (Peacock)

3 :- पैर नहीं है, पर चलती रहती हूँ |
दोनों हाथों से अपना मुँह पोंछती रहती हूँ |
उत्तर :- घड़ी

4 :- बिना पैर के करती यात्रा, मेरे बिना तुम मर जाओगे,
दो अक्षर का मेरा नाम, क्या तुम मेरे बिना रह पाओगे ?
उत्तर :- हवा

आपने शुरू करने की हिम्मत है तो आप में सफल होने के लिए भी हिम्मत है |

5 :- कान है पर बहरी हूँ, मुँह है पर मौन हूँ,
आँखें हैं, पर अंधी हूँ, तब आखिर बताओ मैं कौन हूँ?
उत्तर :- गुड़िया

6 :- काली है पर काग नहीं, लंबी है पर नाग नहीं,

बल खाती हूँ पर डोर नहीं, बाँधते हैं पर डोर नहीं ?
उत्तर :- बालों की चोटी

7 :- अपनों के ही घर यह जाए, तीन अक्षर का नाम बताएँ,
शुरू के 2 अति हो जाए, अंतिम 2 से तिथि बताए?
उत्तर :- अतिथि

8 :- बीमार नहीं रहती, फिर भी खाती है गोली,
बच्चे बूढ़े डर जाते, सुन कर मेरी बोली ?
उत्तर :- बंदूक

9 :- खाते नहीं चबाते लोग, काट में कड़वा रस संयोग,
दांत जीभ की करे सफाई, बोलो बात समझ में आई ?
उत्तर :- दातुन

10 :- कल बनता धड़ के बिना, मल बनता सिरहीन |
थोड़ा हूँ पैर कटे तो, अक्षर केवल तीन ?
उत्तर :- कमल

11 :- पानी से निकला दरख्त एक, पात नहीं पर डाल अनेक |
एक दरख्त की ठंडी छाया, नीचे एक बैठने न पाया ?
उत्तर :- फुहारा

12:- हमने देखा अजब एक बंदा, सूरज के सामने रहता ठंडा |
धूप में जरा नहीं घबराता, सूरज की तरह मुँह लटक जाता ?
उत्तर :- सूरजमुखी

आदित्य
बारहवीं 'ब'

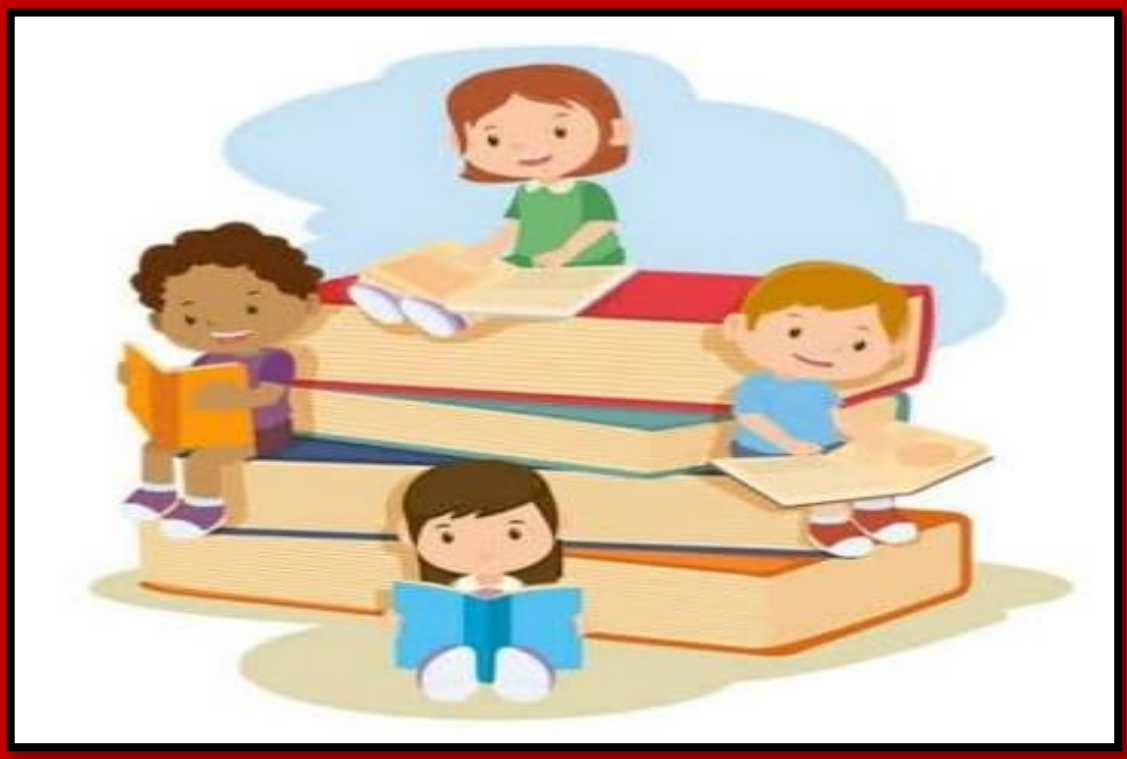

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सभी राज्यों को उनकी संस्कृति एवम इतिहास से जोड़ना है- जिससे देश में एकता के नए रूप का संचार हो सके | सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के बीच गहरे रचनात्मक संपर्कों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना है. यह राष्ट्र की मजबूती और एकता का एक महत्वपूर्ण कारक बनेगा. साथ ही, यह भारतीय शासन के संघीय ढांचे को भी मजबूती प्रदान करेगा. यह अभियान देश की विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं को पहचानने और उजागर करने में भी मदद करेगा |

छत्तीसगढ़ राज्य

छत्तीसगढ़ भारत का एक राज्य है। इसका गठन 1 नवम्बर 2000 को हुआ था और यह भारत का 26वां राज्य है। पहले यह मध्य प्रदेश के अन्तर्गत था। डॉ॰ हीरालाल के मतानुसार छत्तीसगढ़ 'चेदीशगढ़' का अपभ्रंश हो सकता है। कहते हैं किसी समय इस क्षेत्र में 36 गढ़ थे, इसीलिये इसका नाम छत्तीसगढ़ पड़ा। किंतु गढ़ों की संख्या में वृद्धि हो जाने पर भी नाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ,छत्तीसगढ़ भारत का ऐसा राज्य है जिसे 'महतारी'(मां) का दर्जा दिया गया है। भारत में दो क्षेत्र ऐसे हैं जिनका नाम विशेष कारणों से बदल गया - एक तो 'मगध' जो बौद्ध विहारों की अधिकता के कारण "बिहार" बन गया और दूसरा 'दक्षिण कौशल' जो छत्तीस गढ़ों को अपने में समाहित रखने के कारण "छत्तीसगढ़" बन गया। किन्तु ये दोनों ही क्षेत्र अत्यन्त प्राचीन काल से ही भारत को गौरवान्वित करते रहे हैं। "छत्तीसगढ़" तो वैदिक और पौराणिक काल से ही विभिन्न संस्कृतियों के विकास का केन्द्र रहा है।

यहाँ के प्राचीन मन्दिर तथा उनके भग्नावशेष इंगित करते हैं कि यहाँ पर वैष्णव, शैव, शाक्त, बौद्ध संस्कृतियों का विभिन्न कालों में प्रभाव रहा है। एक संसाधन संपन्न राज्य, यह देश के लिए बिजली और इस्पात का एक स्रोत है, जिसका उत्पादन कुल स्टील का 15% है। छत्तीसगढ़ भारत में सबसे तेजी से विकसित राज्यों में से एक है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय यहाँ सिर्फ 16 जिले थे पर बाद में 2 नए जिलो की घोषणा की गयी जो कि नारायणपुर व बीजापुर थे। पर इसके बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने 15 अगस्त 2011 को 9 और नए जिलो कि और घोषणा कि जो 1 जनवरी 2012 से अस्तित्व में आ गये। 15 अगस्त 2019 को छत्तीसगढ़ की नई सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिलासपुर जिले से काट कर 1 नए जिले के निर्माण की घोषणा की। इस तरह अब छत्तीसगढ़ में कुल 28 जिले हो गए हैं। आदिवासी कला काफी पुरानी है। प्रदेश की आधिकारिक भाषा हिन्दी है और लगभग संपूर्ण जनसंख्या उसका प्रयोग करती है। प्रदेश की आदिवासी जनसंख्या हिन्दी की एक उपभाषा छत्तीसगढ़ी बोलती है। छत्तीसगढ़ी भारत के छत्तीसगढ़ राज्य में बोली जाने वाली एक अत्यन्त ही मधुर व सरस भाषा है। यह हिन्दी के अत्यन्त निकट है और इसकी लिपि देवनागरी है। छत्तीसगढ़ी का अपना समृद्ध साहित्य व व्याकरण है।छत्तीसगढ़ की संस्कृति में गीत एवं नृत्य का बहुत महत्व है। यहाँ के लोकगीतों में विविधता है। गीत आकार में अमूमन छोटे और गेय होते है एवं गीतों का प्राणतत्व है -- भाव प्रवणता। छत्तीसगढ़ के प्रमुख और लोकप्रिय गीतों में से कुछ हैं: भोजली, पंडवानी, जस गीत, भरथरी लोकगाथा, बाँस गीत, गऊरा गऊरी गीत, सुआ गीत, देवार गीत, करमा, ददरिया, डण्डा, फाग, चनौनी, राउत गीत और पंथी गीत। इनमें से सुआ, करमा, डण्डा व पंथी गीत नाच के साथ गाये जाते हैं। छत्तीसगढ़ी 2 करोड़ लोगों की मातृभाषा है। यह पूर्वी हिन्दी की प्रमुख बोली है और छत्तीसगढ़ राज्य की प्रमुख भाषा है। राज्य की 82.56 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में तथा शहरी क्षेत्रों में केवल 17 प्रतिशत लोग रहते हैं।

जानवी मोघवादिया
ग्यारहवीं 'ब'

कविता - एक भारत श्रेष्ठ भारत

लौह पुरुष के जन्मदिवस पर,
प्रधान मंत्री जी ने यह ठाना है।
भारत को फिर से एक करना है,
सर्वश्रेष्ठ इसको बनाना हैं।
हम सबको मिलकर करना होगा,
भारत को श्रेष्ठ भारत बनाना होगा।
आओ सब मिलकर एक कदम उठाए,
अपने भारत को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाए।
युवाओं में है कई प्रतिभा,
देश के अंदर ही इन्हें उजागर करना है।
एक सच्चे नागरिक होने के खातिर,

भारत को सर्वश्रेष्ठ बनाना है।
पेड़ पौधों की जहाँ की जाती है पूजा,
सबको अपना महत्व दिया जाता है जहाँ।
एक ऐसा अपना भारत है अपना,
इसको 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाना है।

दीपेन वाडिया
ग्यारहवीं 'अ'

अपने भारत को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाएँ

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई, रहते यहाँ सारे समुदाय।
आओ सबको एक साथ मिलाएँ, अपने भारत को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाएँ।
किसी के साथ कोई न हो अपराध, सबके लिए एक नियम बनाएँ।
समाज में सबको अपना अधिकार दिलाएँ,
अपने भारत को '**एक भारत श्रेष्ठ भारत**' बनाएँ|
संस्कृतियाँ है जहाँ हजारों, सब मिलकर इन्हें अपनाएँ।
संस्कृति को अपनी कोई न भुलाए, सबको एक बार फिर याद दिलाएँ।
आओ मिलकर एक कदम उठाएँ,
अपने भारत को **'एक भारत श्रेष्ठ भारत'** बनाएँ |
एक राज्य की संस्कृति को, दूसरे राज्यों में बताएँ।
कुछ नया सीखकर वहाँ से, अपने स्थान पर बतलाएँ।
होली, दीपावली, दशहरा त्योहार यहाँ अनेक,
सबको हम एक मिलकर मनाएँ।
त्योहारों में कभी न करे कोई भेदभाव,
अपने भारत को '**एक भारत श्रेष्ठ भारत**' बनाएँ |
विश्व स्तर पर एक पहचान दिलाएँ,
अपनी संस्कृति को विश्व मंच पर उजागर करें।
आओ मिलकर एक प्रण लें,
अपने भारत को **'एक भारत श्रेष्ठ भारत'** बनाएँ |
जन जन तक पहुँचे शिक्षा, ऐसा कोई उपाय सुझाएँ।
कोई न रहे अशिक्षित यहाँ, इसे '**एक भारत श्रेष्ठ भारत**' बनाएँ |
आजादी के खातिर, जिसने अपने प्राण गँवाए।
एक बार फिर सबको उनकी, याद में सबसे नमन कराएँ।
एकता का महत्व सबको बताएँ, इससे ही सबका उद्धार होगा।

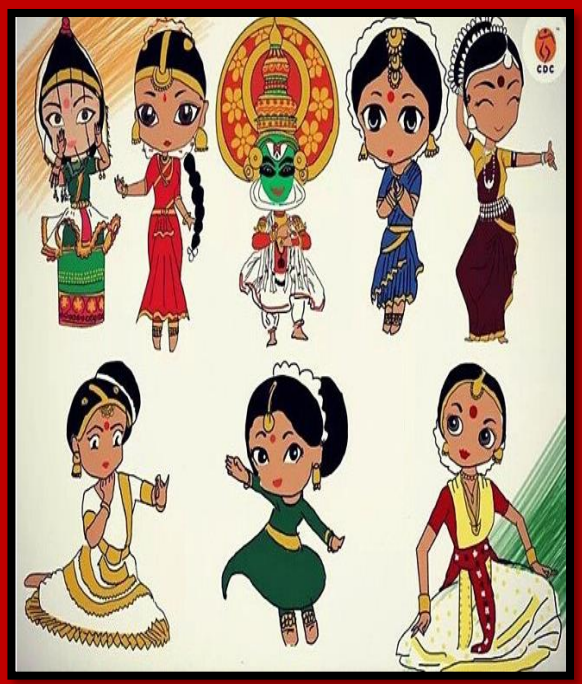

जब हर भारतीय मिलकर एक रहेगा, तभी भारत सर्वश्रेष्ठ बनेगा।
बंगाली, मलयालम, मराठी जैसी भाषाएँ यहाँ अनेक,
सब मिलकर इनकी एक पहचान बनाएँ। हिंदी का महत्व विश्व स्तर पर बताएँ,
आओ मिलकर अपनी हिंदी को एक सर्वश्रेष्ठ भाषा बनाएँ।
मंदिर मस्ज़िद गुरुद्वार है यहाँ, सबको एक समान बनाएँ।
कोई न मरे मिटे इनके नाम से, एक ऐसा **'एक भारत श्रेष्ठ भारत'** बनाएँ।
अंधविश्वास सारे करे खत्म, सब साथ रहे एक संग।
टेक्नोलॉजी को गाँव-गाँव तक पहुँचाएँ,
अपने भारत को एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाएँ।
टेक्नोलॉजी का सब प्रयोग करें, कोई न इससे वंचित रहे ।
देश की आर्थिक मजबूती(किसान) को हर सुविधा पहुँचाएँ,
आओ मिलकर अपने भारत को श्रेष्ठ बनाएँ।
लड़ाई, झगड़े, भेदभाव को कर समाप्त। सबको अपना मार्ग दिखलाएँ,
आजादी के खातिर जिसने अपनी जान गँवाई।
एक बार फिर सबको उन शहीदों की याद दिलाएँ,
आओ ! मिलकर अपने भारत को, एक नवनिर्मित भारत बनाएँ।

उर्वशी ओडेदरा
ग्यारहवीं 'ब'

कविता - है सुनहरा लेख भारत।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत, ज्ञान सिंधु, विवेक भारत।
विश्व के मानस-पटल पर, है सुनहरा लेख भारत।
अनेकता में एकता का, दीप निशदिन जल रहा।
विशिष्ट शक्ति, संपदा का, स्वर्ण-पक्षी पल रहा।
चिर सनातन का से, समृद्धि का अतिरेक भारत।
विश्व के मानस-पटल पर, है सुनहरा लेख भारत।
भगत का, आज़ाद का, सुभाष चंद्र बोस का।
'लाल' 'बाल' औ पाल' का, स्वराज्य के उद्घोष का।
स्वतंत्रता कि राह में है, क्रांति का अभिषेक भारत।
विश्व के मानस-पटल पर, है सुनहरा लेख भारत।
गीता की, गुरुग्रंथ की, वेद और पुराण की।

बुद्ध की, महावीर की, अवेस्ता और कुरान की।
हर धर्म की सुरभित पवन, पावन बना परिवेश भारत।
विश्व के मानस-पटल पर, है सुनहरा लेख भारत।
गांधी का सत्याग्रह, अंबेडकर की कीर्तियाँ।
कलाम और गफ़्फ़ार की, समभाव वाली नीतियाँ।
महानतम विभूतियों का, विश्व में उल्लेख भारत।
विश्व के मानस-पटल पर, है सुनहरा लेख भारत।
राज्य का और क्षेत्र का, जो भूल कर विभेद हम,
भाषा और प्रदेश का, करें नहीं जो भेद हम।
पुनः विश्व गुरु बनेगा, श्रेष्ठ-निर्मल-नेक भारत।
विश्व के मानस-पटल पर, है सुनहरा लेख भारत।
एक भारत, श्रेष्ठ भारत, ज्ञान सिंधु, विवेक भारत।
विश्व के मानस-पटल पर, है सुनहरा लेख भारत।

अनिकेत
बारहवीं 'ब'

छत्तीसगढ़ी दंतकथा

जइसन ला तइसन मिलै, सुन गा राजा भील. लोहा ला घुन खा गै, लइका ला लेगे चील.

इस छत्तीसगढ़ी लोकोक्ति का भावार्थ है दूसरों से बुरा व्यवहार करने वाले को अच्छे व्यवहार की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए अर्थात जैसे को तैसा व्यवहार मिलना चाहिए |

आइये हम आपको इस लोकोक्ति से जुड़ी दंतकथा को बताते हैं.

एक गाँव में दो मित्र आस-पास में रहते थे | दोनों में प्रगाढ़ मित्रता थी | एक बार एक मित्र को उसके गाँव से दूर गाँव में जाना था | उसके पद वरदान में मिली लोहे की एक भारी तलवार थी | उसने सोचा कि वह भारी तलवार को बाहर गाँव ले जाने के बजाए अपने मित्र के पास सुरक्षित रख दे और वापस आकर प्राप्त कर ले उसने वैसा ही किया | वह तलवार को अपने मित्र के पास रखकर दूसरे गाँव चला गया | जब वह वापस आया तो उसने अपने मित्र से अपनी तलवार माँगी, किंतु मित्र लालच में पड़ गया और तलवार हड़पने के लिए बहाना बना दिया कि मित्र उस तलवार को तो घुन खा गया | घुन वह कीड़ा है , जो लकड़ी में लगता है और धीरे -धीरे पूरी लकड़ी को खा जाता है | तलवार का स्वामी अपने मित्र के इस व्यवहार से बहुत दुखी हुआ | समय बीत गया , बात आई गई हो गई | अब कुछ समय बाद दूसरे मित्र को भी गाँव से बाहर जाना पड़ा और परिस्थितियाँ कुछ ऐसी बनी कि उसे अपने छोटे बच्चे को आने मित्र के पास छोड़ना पड़ा | काम निबटा कर जब वह वापस आया और अपने मित्र से अपना बच्चा माँगा तो मित्र ने कहा कि उसे तो चील उठा कर ले गई | दोनों के बीच लड़ाई बढ़ी और बात भील राजा के दरबार में पहुँची,राजा ने मामला सुना और समझा उसने न्याय करते हुए तलवार को दबा लेने वाले से मित्र को तलवार वापस दिलाई, मित्र ने उसे उसका बच्चा वापस दे दिया |

हीरल सरमा, बारहवीं 'ब'

संस्कृत विभाग

अनुक्रमणिका

क्रम	विषय	नाम
1	संस्कृत गीत - मनसा सततं स्मरणीयम्	संकलित
2	संस्कृत गीत - पठत संस्कृतम्	संकलित
3	संस्कृत गीत - मृदपि च चन्दन	संकलित
4	संस्कृत गीत - आयाहि रे	संकलित
5	संस्कृत गीत - नमामि भक्तवत्सलं	संकलित
6	संस्कृत गीत- वन्दे मातृभुवं वन्दे	संकलित
7	आज़ादी का अमृत महोत्सव	संजय: कुमार: सैन: प्र.स्ना.शि.(संस्कृत)
8	सावित्री बाई फुले	अर्पित, दशमी 'अ'
9	आज़ादी का अमृत महोत्सव	जानवी, दशमी 'ब'
10	प्रहेलिका:	दिव्यांश, अष्टमी 'ब'
11	पंडिता रमाबाई	जय गोरानिया, अष्टमी
12	ध्येयवाक्यानि	प्रात्वी, दशमी 'ब'

संस्कृतगीतम् - मनसा सततं स्मरणीयम्

मनसा सततं स्मरणीयम्, वचसा सततं वदनीयम्
लोकहितं मम करणीयम्, लोकहितं मम करणीयम्।।
1 न भोगभवने रमणीयम, न च सुखशयने शयनीयम्
अहर्निशं जागरणीयम् लोकहितं मम करणीयम्।।
2 न जातु दुःखं गणनीयम्, न च निजसौख्यं मननीयम्
कार्यक्षेत्रे त्वरणीयम्, लोकहितं मम करणीयम्।।
3 दुःखसागरे तरणीयम्, कष्टपर्वते चरणीयम्
विपत्तिविपिने भ्रमणीयम्, लोकहितं मम करणीयम्।।
4 गहनारण्ये घनान्धकारे, बन्धुजना ये स्थिता गह्वरे
तत्र मया संचरणीयम्, लोकहितं मम करणीयम्।।

संकलित

संस्कृतगीतम् - पठत संस्कृतम्

पठत संस्कृतम , वदत संस्कृतम -2
लसतु संस्कृतम् चिरं गृहे-गृहे च पुनरपि।
1 ज्ञानवैभवं वेदवाङ्मयम्, लसति यत्र भवभयापहारि मुनिभिर्राजितम् ,
कीर्तिराजिता यस्य प्रणयनात् -2 व्यास-भास-कालिदास-बाणमुख्यकविभिः।।
पठत संस्कृतम, वदत संस्कृतम -2
2 स्थानमूर्जितं यस्य मन्वते, वाग्विचिन्तका हि वाक्षु यस्य वीक्ष्य मधुरताम् ,
यद्विना जना नैव जानते, भारतीयसंस्कृतिं सनातनाभिधाम् वराम्।।
पठत संस्कृतम्, वदत संस्कृतम -2
3 जयतु संस्कृतम् संस्कृतिस्तथा, संस्कृतस्य संस्कृतेश्च प्रणयनात् च मनुकुलम् ,
जयतु संस्कृतम् जयतु मनुकुलम्, जयतु-2 संस्कृतम् जयतु-2 मनुकुलम्।।
पठत संस्कृतम, वदत संस्कृतम -2

संकलित

संस्कृतगीतम् - मृदपि च चन्दन

मृदपि च चन्दनमस्मिन् देशे, ग्रामो ग्रामः सिद्धवनम्।
यत्र च बाला देवीस्वरुपा, बालाः सर्वे श्रीरामाः।।
1 हरिमन्दिरमिदमखिलशरीरम्, धनशक्ति जनसेवायै
यत्र च क्रीडायै वनराजः, धेनुर्माता परमशिवा ।।

नित्यं प्रातः शिवगुणगानं, दीपनुतिः खलु शत्रुपरा ।।
यत्र च बाला देवीस्वरुपा, बालाः सर्वे श्रीरामाः।।
2 भाग्यविधायि निजार्जितकर्म, यत्र श्रमः श्रियमर्जयति
त्यागधनानां तपोनिधीनां, गाथां गायति कविवाणी।।
गंगाजलमिव नित्यनिर्मलं, ज्ञानं शंसति यतिवाणी।।
यत्र च बाला देवीस्वरुपा, बालाः सर्वे श्रीरामाः।।
3 यत्र हि नैव स्वदेहविमोहः, युद्धरतानां वीराणां
यत्र हि कृषकः कार्यरतः सन्, पश्यति जीवनसाफल्यम्।।
जीवनलक्ष्यं न हि धनपदवी, यत्र च परशिवपदसेवा।।
यत्र च बाला देवीस्वरुपा, बालाः सर्वे श्रीरामाः।।
संकलित

संस्कृतगीतम्- आयाहि रे

आयाहि रे ss । आयाहि रे ss । आयाहि रे ss ।
याहि रे । याहि रे । याहि रे । याहि रे । या ss हि।
1 विहायसि सराग रश्मि चंद्रमाः, तनोति सांद्र रोचि मंजु चंद्रिकाः
सिन्धुरावघोषिताः रोदसीकन्दराः यान्तुयानपात्रचालकाः सधीवराः
आयाहि रे ss । आयाहि रे ss । आयाहि रे ss ।
याहि रे । याहि रे । याहि रे । याहि रे । या ss हि।
2 चन्द्रहासमज्जिता तामसी प्रिया सर्वदेह कांति पुंज मंजु वल्गना
निश्चलाविभासते तारलोचना यान्तुयानपात्रचालकाः सधीवराः
आयाहि रे ss । आयाहि रे ss । आयाहि रे ss ।
याहि रे । याहि रे । याहि रे । याहि रे । या ss हि।
3 सागरेण चुम्बिता चंद्रिका मुदा राजते विलास हास लास्य चित्रिता
रागिणीव भासते रागरंजिता यान्तुयानपात्रचालकाः सधीवराः
आयाहि रे ss । आयाहि रे ss । आयाहि रे ss ।
याहि रे । याहि रे । याहि रे । याहि रे । या ss हि।

संकलित

संस्कृतगीतम्- नमामि भक्तवत्सलं

नमामि भक्तवत्सलं कृपालुशीलकोमलम्

भजामिते पदाम् भुजम् अकामिनाम् स्वदामदम्

1 निकाम् श्यामसुन्दरम् भवामभुनाथ मन्दरम्, प्रफुल्लकम् चलोचलम् मदादिदोषमोचनम्

नमामि भक्तवत्सलं कृपालुशीलकोमलम्

2 प्रलंबबाहुविग्रहम् प्रभोप्रमेयवैभवम्, निःचंग चाप सायकम् धरम् त्रिलोकनायकम्

नमामि भक्तवत्सलं कृपालुशीलकोमलम्

3 दिनेशवंशमंडलम् महेशचापखंडनम्, मुनीयसंतरंजनम् सुरारिवृन्दभंजनम्

नमामि भक्तवत्सलं कृपालुशीलकोमलम्

3 मनोजवैरीवंदितम् अजादिदेवसेवितम्, विक्षुब्धमुक्तशीघ्रम् समस्तदूषणापहम्

नमामि भक्तवत्सलं कृपालुशीलकोमलम्

4 नमामि इन्दिरापति सुखाम्करं सतां गति, भजे सशक्ति सानुजम् शचीपति प्रियानुजम्

नमामि भक्तवत्सलं कृपालुशीलकोमलम्

संकलित

संस्कृतगीतम्- वन्दे मातृभुवं वन्दे

पूर्णविजयसंकल्पोस्माकं सततपरिश्रमशीलवताम्
आयुगमविरतमनुवर्तत इह राष्ट्रधर्मसमुपासनम्
वन्दे मातृभुवं वन्दे वन्दे जगदम्बां वन्दे ।
1 पुण्यपुरातन देशो अस्माकं मानवतार्चनसक्तिमताम्
प्रवहति पावन संस्कृतिगंगा किल्विषजातमपादधति
सकलविश्वमंगलसंरचने जुहोतिसर्वोप्यात्मानम्
आयुगमविरतमनुवर्तत इह राष्ट्रधर्मसमुपासनम्
वन्दे मातृभुवं वन्दे वन्दे जगदम्बां वन्दे ।
2 परमोमंत्रः समरसता नः शक्तिसम्भृतं राष्ट्रमिदम्
पूर्वजगौरवगाथास्माकं मार्गदर्शिका प्रेरिका
भविष्यपथमुज्जवलमाधातुं शक्तिंसंचिनुमोनियतम्
आयुगमविरतमनुवर्तत इह राष्ट्रधर्मसमुपासनम्
वन्दे मातृभुवं वन्दे वन्दे जगदम्बां वन्दे ।
3 मातृभूमिराराध्येयं नो गतिरस्माकंसैवपरा
ईशकार्यमिदमेवास्माकं जीवितैक संकल्पनम्

सज्जननिर्मित कार्यपथेस्मिन् ननु यामो वयमनवरतम्
आयुगमविरतमनुवर्तत इह राष्ट्रधर्मसमुपासनम्
वन्दे मातृभुवं वन्दे वन्दे जगदम्बां वन्दे ।

संकलित

आजादी का अमृत महोत्सव

१९४७ तमे वर्षे स्वाधीनताया: पश्चात् भारतस्य समक्षं समस्या: आगता: । तस्मिन् समये प्रमुखसमस्या संविधाननिर्माणस्य अपरा च समस्या रियासतानाम् एकीकरणम् आसीत् । इत्यस्मिन् सन्दर्भे संविधानसभाया: निर्माणं कृतं तथा च २६ जनवरी १९५० तमे वर्षे संविधानं स्वीकृतम् ।

स्वतंत्रभारतस्य समक्षं एका महती समस्या रियासतानाम् एकीकरणम् आसीत् । यतोहि आंग्लशासकै: तेषां कृते स्वतंत्रता दत्ता यत् ता: रियासता: कस्मिन् अपि राज्ये विलीनं भवितुं शक्यन्ते स्म । तस्मिन् एव काले भारतस्य प्रथम: प्रधानमन्त्री पं. जवाहरलालमहोदयस्य नेतृत्वे तेषां रियासतानां भारते विलयं कृतम् ।

डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखितं संविधानं स्थापितं कृत्वा देशस्य नागरिकेभ्य: मौलिकाधिकारा:, मौलिककर्तव्या: च प्रदत्ता: । राष्ट्र संचारुरूपेण संचालयितुं अनेके संशोधना: कृता: । जातियभेदभाव: एवं आतंकवाद: इत्यादय: परिस्थितय: प्रत्यक्षरूपेण दृष्टा: ।

सीमाविवाद: अपि एका महती समस्या: आसीत् । कुत्रचित् चीनदेश: कुत्रचित् पाकिस्तानदेश: । तयो: दर्पमर्दनाय १९५६ तमे वर्षे चीनदेशस्य विरुद्ध: तथा च १९९९ तमे वर्षे पाकिस्तानस्य विरुद्ध: युद्ध: कृत: ।

कश्मीरविवाद: इदानीं यावत् एका भयंकरा समस्या आसीत् यां अस्माकं प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी महोदयेन कश्मीरं केंद्रशासितप्रदेशेषु सम्मिलितं कृत्वा इत्यस्या: समस्याया: समाधानं कृतम् । अयोध्यायां राममंदिरस्य निर्माणकार्यम् अपि प्रारब्धम् ।

शनै: शनै: भारतस्य विकासगति: तीव्रगत्या अग्रसरा अभवत् । कुशलविदेशनीतिमाध्यमेन भारतस्य सम्मानं विदेशेषु वृद्धिम् आप्नोति | इत्थं भारतदेश: स्वसमस्यानां समाधानं कृत्वा उन्नतिपथे अग्रसर: भूत्वा अद्य “आजादी का अमृत महोत्सव” इति मान्यते ।

संजय: कुमार: सैन:

प्रशिक्षित: स्नातक: अध्यापक: (संस्कृतम्)

सावित्री बाई फुले

भारतस्य महान् समाजसुधारिका सावित्री बाई फुले इत्यस्या: जन्म एकस्मिन् कृषकपरिवारे महाराष्ट्रे जनवरी मासस्य ३१ दिनांके १८३१ तमे वर्षे अभवत् | सा एका महान् क्रांतिकारी तथा भारतीयविचारक: आसीत् | सा महाराष्ट्रस्य प्रथमा महिला शिक्षिका आसीत् | तस्या: जीवनं कष्टपूर्णम् आसीत् | तस्या: जीवनस्य एकमेव लक्ष्यम आसीत् यत येन केन प्राकरेण अपि बालिकानां शिक्षणं भवेत् | अस्य कृते सा बालिकानां कृते विद्यालयम् आरभत | १८४८ तमे वर्षे पुणेनगरे ज्योतिबाफुले महोदयेन सह कन्यानां कृते प्रदेशस्य प्रथमं विद्यालयम् आरभत | सा तस्मिन् समये समाजे व्याप्ता छुआछुत, सतिप्रथा इत्यादिनां कुरुतिनां विरोधम् अकरोत् | साहित्यरचनया अपि सावित्री बाई महीयते | तस्या: काव्यसंकलनद्वयं वर्तते 'काव्यफुले' 'सुबोधरत्नाकर' चेति | महोरोगप्रसारकाले सेवारता सा स्वयम असाध्यरोगेण ग्रस्ता १८९७ तमे वर्षे निधनं गता | महिलोत्थानस्य गहनावबोधनाय सावित्रीमहोदयाया: जीवनचरितम् अवश्यमेव अध्येतव्यम् |

अर्पित

कक्षा-10

आजादी का अमृत महोत्सव

अस्माकं भारतदेश: महत्संघर्ष अनन्तरं १५ अगस्त १९४७ तमे वर्षे स्वतंत्रता प्राप्ता | अस्या: प्राप्ति सरला सहजा नासीत् | असंख्यदेशावासिनां बलिदानेन अस्मभ्यम् इयं प्राप्ता | अत: स्वतंत्रता सर्वेषां कृते बहुमूल्यम् अस्ति | अस्या: बहुमूल्यस्वतंत्रताया: उत्सव: एव "आजादी का अमृत महोत्सव" इति कथ्यते | "आजादी का अमृत महोत्सव" अद्य उत्सवरुपे मन्यते | "आजादी का अमृत महोत्सव" इत्यस्य आयोजनस्य उद्देश्यं स्वतन्त्रतासैनिकानां बलिदानस्य त्यागस्य विषये जनजागरणम् अस्ति | अस्माकं स्वतन्त्रताया: इतिहासे अनेके एतादृशा: सैनिका: आसन् ते स्वप्राणानां बलिदानम् अकरोत् परन्तु वयं तेषां नामानि अपि न जानाम: | अस्य महोत्सवस्य माध्यमेन एतादृशानां नायकानां नाम जनानां समक्षे आगमिष्यति |

स्वतन्त्रताया: अयम् उत्सव: वयं सर्वे मिलित्वा आयोजिष्याम: जनानां प्रतिभागमाध्यमेन वयं आत्मनिर्भरा: भविष्याम: |

|| जयतु भारतम् ||

जाह्नवी

कक्षा-10

प्रहेलिका:

1. कस्तूरी जायते कस्मात् ?
को हन्ति करिणां कुलम् ?
किं कुर्यात् कातरो युद्धे ?
मृगात् सिंह: पलायते |

2. सीमन्तिनीषु का शान्ता ?
राजा कोऽभूत् गुणोत्तम: ?
विद्वद्भि: का सदा वन्द्या ?
अत्रैवोक्तं न बुध्यते |

3. कं सञ्जघान कृष्ण: ?
का शीतलवाहिनी गंगा ?
के दारपोषणरता: ?
कं बलबन्तं न बाधते शीतम् |

4. वृक्षाग्रवासी न च पक्षीराज:
त्रिनेत्रधारी न च शूलपाणि |
त्वग्वस्त्रधारी न च सिद्धयोगी
जलं च बिभ्रन्न घटो न मेघ: ||

कुमार दिव्यांश
कक्षा-8 'ब'

पण्डिता रमाबाई

पण्डिता रमाबाई देशस्य प्रथमा नारीवादी कथ्यते | सा महाराष्ट्रस्य ब्राह्मणपरिवारे अप्रैल मासे २३ दिनांके जन्म अलभत | तस्या: पिता अनन्तशास्त्री डोंगरे संस्कृतस्य विद्वान आसीत् | स: एव रमाबाई संस्कृतम् अपाठयत् | किं कारणं यत् भारतीयविद्वद्भि: **'सरस्वती'** कथिता, शीघ्रमेव सा विद्रोहिणी कथिता, अन्ते सा इसाईधर्मस्य समर्थका अभवत् | रमाया: पितरौ तस्या: बाल्यकाले एव दिवंगतौ | अनन्तरं सा सम्पूर्णभारते अभ्रमत् तया व्याख्यानं दत्ता | २२ वयसि सा संस्कृतस्य प्रकाण्डविदुषी अभवत् | सा कन्नड़-मराठी-बांग्ला-हिब्रु इत्यादिषु भाषासु निष्णाता आसीत् | सा तत्समयस्य असाधारणमहिला आसीत् | सा एका शिक्षिका, विदुषी, नारीवादी तथा समाजसुधारिका

आसीत् | सा उच्चशिक्षार्थम इंग्लैण्डदेशं गतवती | इंग्लैण्डदेशात् सा अमरीकादेशम् अगच्छत् | तत्र सा भारतस्य विधवास्त्रीणां सहायतार्थं धनसंचयम् अकरोत् | भारतं प्रत्यागत्य मुम्बई नगरे सा 'शारदासदनम' अस्थापयत् | अस्मिन् आश्रमे नि:सहाया: स्त्रय: निवसन्ति स्म | पुणेनगरे 'मुक्तिमिशन इति संस्थानं तया स्थापितम् | अत्र अधुना अपि निराश्रिता: महिला: ससम्मानं जीवनं यापयन्ति |

सा देश-विदेशस्य अनेकासु भाषासु निपुणा आसीत् | समाजसेवाया: अतिरिक्तं लेखनक्षेत्रे अपि तस्या: योगदानं महत्त्वपूर्णम् अस्ति | 'स्त्रीधर्मनीति' 'हाई कास्ट हिन्दू विमेन' इति तस्या: प्रसिद्धं रचनाद्वयं वर्तते | १९२२ तमे वर्षे रमाबाई महोदयाया: निधनम् अभवत् |

जय गोरानिया

कक्षा-8

ध्येय वाक्यानि

ध्येयवाक्यानि	संस्था:
विद्ययाऽमृतमश्नुते	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
ज्ञानं-विज्ञानं मुक्तये	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
तेजास्वनावधीनमस्तु	आंध्र विश्वविद्यालय
सा विद्या या विमुक्तये	वनस्थली विद्यापीठ
धियो यो न: प्रचोदयात्	देवी अहिल्या विश्वविद्यालय
सिद्धिर्भवति कर्मजा	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
असतो मा सद्गमय	केन्द्रीय माध्यमिक संस्थान
श्रुतं मे गोपाय	सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

प्रात्वी

कक्षा 10

ENGLISH SECTION

INDEX

Sr. no.	Title	Author
1.	ENGLISH POEM	MRS. HARITA , TGT (ENGLISH)
2.	CULTURE OF ASSAM	CHETNA BAGIYA , VII B
3.	TEACHERS	NIDHISHA , VII B
4.	FRIENDSHIP	SONAM CHUDASAMA , X B
5.	I AM NOBODY WHO ARE YOU ?	DHAIRYA , X B
6.	TAKE MY HAND	RUCHITA SAI , X B
7.	HOPE	SEJAL , IX A
8.	THE ROLE OF MONKEY IN YOUR LIFE	KRUPA , VIII B
9.	SCHOOL CAN BE FUN	ISHIKA , X A
10.	THE INDIA OF MY DREAMS	SAGUN , X B

POEM

I want Old Me
I want the old me,
Want my lost self again
to where I stood self with
Stared for the quest
I want the old me.
I want to re-live my lost days
to unlearn few lessons,
That snatched my kindness,
tossed my heart and head

Why, I Traded my kindness for pain?
To fulfil inhumane beings,
Old was Strong enough
full of strength for herself.
I want the old me.
I want old bundle of fragrant flowers
Which cheered herself up
for every single thorn.
Which didn't shred so simply.
me careless ,free and
Fade away the maturity
And with uncut silly mistakes..
I want my childhood back.

Harita Gohil
TGT (ENGLISH)

POEM

Today,
Youth is the present,
Youth will be the future,
Wants to bring a change in the country ,
Bring the change in the youth .
Today's kids , tomorrow's youth;
Today's youth , tomorrow's country.
A message :
Never be the reflection of your societies thoughts,
Listen to your heart,
Have your own thoughts,
Ans be the best of yourself.
Life is not a race
That everybody needs to win
It's life that we have to live
To live our dreams ,
To live ourself,
To be what we really are .

It's not necessary that everybody will be great leaders or doing great works,
And it's totally okay if you are not doing great things like others are doing,
Even if you are doing small things,
Do with great love ,
That will make a difference
That will bring a change
Country is not the one made with the infrastructure
But the made with it's people
If you want a change
1st bring a change in yourself,
Then it will be reflected in your surroundings,
And will surely change the society.
TRY A CHANGE TO BRING A 'CHANGE'

Riddhi odedara
12th B

CULTURE OF ASSAM

The culture of Assam is traditionally a hybrid one developed due to cultural assimilation of different groups under various political economic systems in different periods of history.

The roots of Assamese culture go back almost 2000 years when the first culture assimilation took place with industries at atrophic people as the major components.

According to the Epic Mahabharata and show on the basis of local folklore these people probably lived in strong Kingdom in the era before Jesus Christ.

Chetna Bagiya
7th B

TEACHERS

You are the heart of every classroom,

The soul of every school

The mind behind the message

That learning is cool

Your patience and understanding cannot be under sold

Your courage and commitment are that of legends told

Each day you teach children is a day to rejoice

Because of you we will have our own voice

So, thank you dear teacher for passing knowledge

Through the years

You thought you were merely teaching when you were eliminating fears

Nidhisha

9thB

FRIENDSHIP

Friendship is one of the greatest bonds that anyone can ever wish for Lucky are those who have friends they can trust friendship is a devoted relationship. Between two individuals they both feel immense care and love for each other usually a friendship is shared by two people who have similar interest and feelings you meet many along the way of life but only some stay with you forever those are your real friends who say by your side through thick and thin friendship is the most beautiful gift you can present to anyone it is one with stays with the person forever.

A person is acquired with many people in their life however the closest once becomes our friends you may have a large friend circle in school but you know you can only count on one or two people with whom you share true friendship.

Importance of friendship in life because it teachers as a great deal about life we learn so many lessons from friendship which we won't find anyone else you learn to be yourself in front of friends friendship never leave us in bad times you learn how to understand people and trust others you real friends will always motivate you and for you they will take you on the right path and save you from any evil.

Sonam Chudasama

10th B

I AM NOBODY WHO ARE YOU?

I am nobody who are you

Are you nobody too?

Then there's a pair of us don't tell

they would banish us you know

how really to be

somebody how public like a frog

to tell your name the life long day

to an admiring bog.

Dhairya

10th B

TAKE MY HAND

Take my hand take me forward

Take me to your Dreamland

Caution me to watch my step

So, I can't look back at my footprints

Climb the stairs ahead of me

Wild I look up to you

The more I look forward the more I look up

The more I lead to you

If you can trust me to follow your pace

I will trust you to set it

If you can trust me to lend you a smile

I will trust you to return it

Take my hand take me forward

Take me to your Dreamland.

Ruchita Sai, 10th B

HOPE

Hope is the thing with feathers

That preaches in the soul

And sings the time without the words

And never stops at all

And sweetest in the gail is heard

And sore must be the storm

That could abash the little bird

That kept so many warm

I have heard it in the chillest land

And on the strangest sea

Yet never in extremely

It asks a crumb of me.

Sejal

9thA

THE ROLE OF MONEY IN OUR LIFE

Sincerely childhood we are being told if money is last nothing is lost if health is lost something is lost but if character is lost everything is lost yet we find people running after wealth from the cradle to the grave so it is difficult to agree with the wholesale the truth is that human beings are made of body and soul for those who do not believe in soul I would be placed the word soul with mind as for as the body is concerned money is of the highest importance we can't maintain this body without the things which money gives. But soul or mind is equally if not more important for us for them great ideas and good characters is important so I will conclude that money has an important role to play in our lives.

Krupa

8thB

SCHOOL CAN BE FUN

School can be fun if you want it to be so much more for you and me
Science math history so much to choose from it keeps us and crossed night and morning
Why should we be bored there is a lot to know very interesting things to learn about so let's go
Think of those who can't go to school there are many in member not very few so all the benefits of learning we should reap as through each stage of life we leap
School can be fun if you want it to be so much more interesting for you and me.

Ishika

10TH A

THE INDIA OF MY DREAMS

I think to you all I plead
Don't commit any bad deed
don't pollute our sacred air
don't tell me that you don't care
don't pollute our sacred soil
on which day and night farmers oil
don't pollute our sacred waters
don't try to cause unwanted slaughters
Mother India you give me so much
from Sundarbans to the Runn of Kutch
this is the India of My dreams
to save it I shout and scream
polluters of India you better get it right
don't make me come down there and fight
to save my India I will act fast
and save her so that her beauty will always last

Sagun

10th B

CO-CURRICULAR ACTIVITIES IN ACADEMIC YEAR 2022-23

READING ACTIVITY IN PRIMARY SECTION INNAUGRATION

SPORT'S DAY

FIT INDIA MOVEMENT

INDOOR GAMES

TUG OF WAR FOR STUDENTS

TUG OF WAR FOR TEACHERS

HAR GHAR TIRANGA

BOOK BALANCE & LEMON RACE ON SPORTS DAY 2022

AAZADI KA AMRIT MAHOTSAV PROGRAMME

Enviorment Day

CLEANLINESS DRIVE IN VIDYALAYA

SWACHHTA PLEDGE

POSHAN MAAH

GRAND PARENT DAY

VEER GATHA

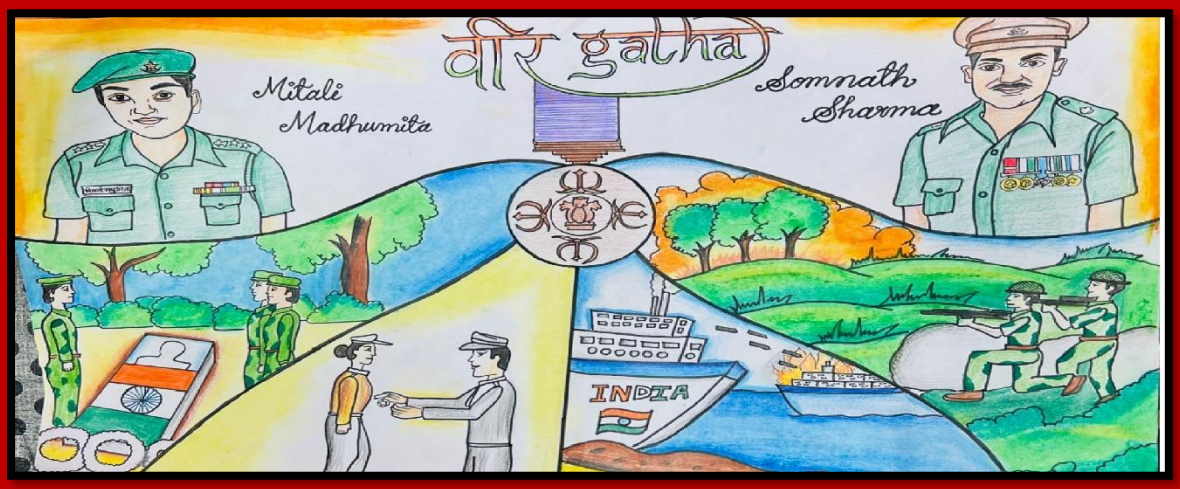

EBSB STATE DAY CELEBRATION REGIONAL LEVEL WEBINAR

YOGA DAY CELEBRATION

HINDI PAKWADA

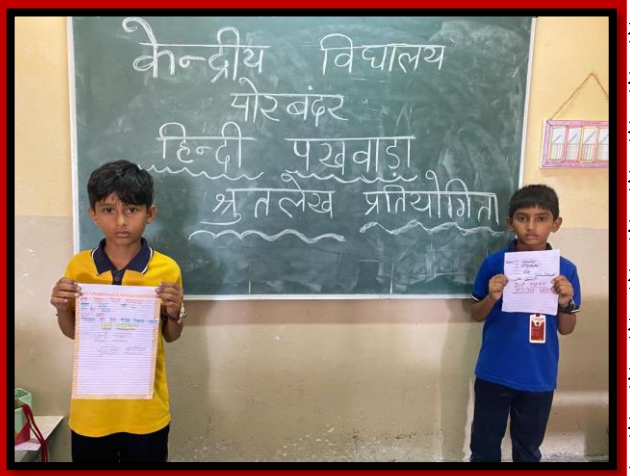

FIRE SAFETY

Gandhi Jayanti

CUB-BULBUL

NATIONAL UNITY DAY

CYBER JAGROOKTA

PRATHAM SOPAN -CUB -BULBUL

केंद्रीय विद्यालय, पोरबन्दर स्टाफ

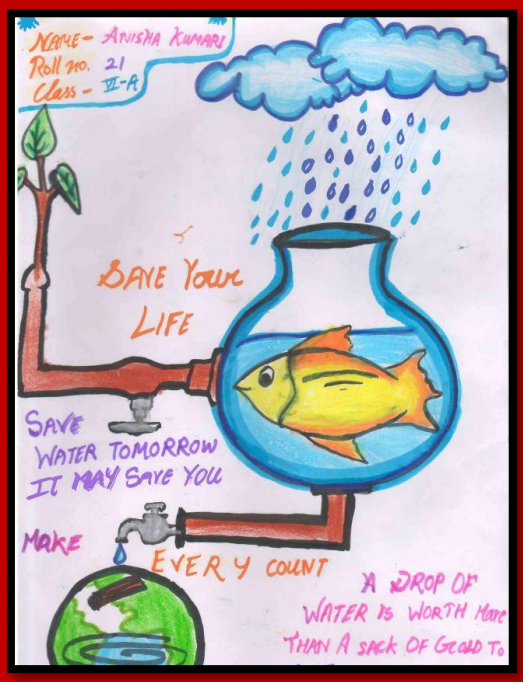
Name- Anisha Kumari
Roll no. 21
Class - VI-A
SAVE Your LIFE
SAVE WATER TOMORROW IT MAY Save YOU
MAKE EVERY COUNT
A DROP OF WATER IS WORTH More THAN A SACK OF GOLD To

₹ 100
Name = Suhani
class-6A
Roll no-26

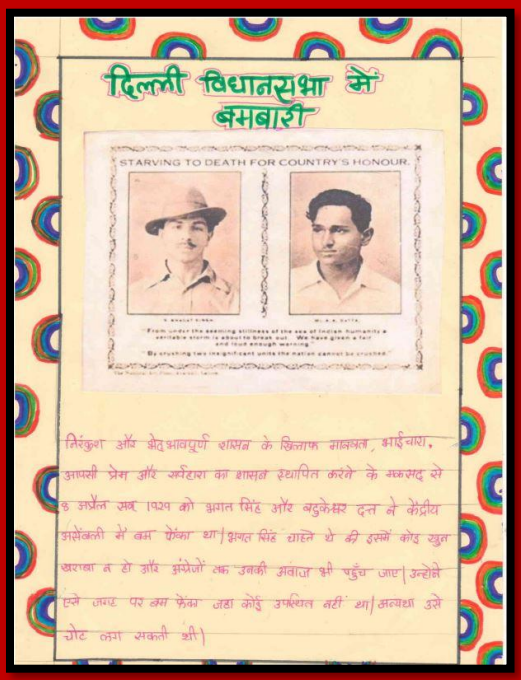
दिल्ली विधानसभा में बमबारी
STARVING TO DEATH FOR COUNTRY'S HONOUR

COMIC ON
PARIKSHA PE CHARCHA
1st March 2022..
I am So Scared of my EXAMS!!
WHY??
PRIYA
SHREYA
If I will get low marks I would be sent to a hostel.
Don't be scared, lets watch Pariksha Pe Charcha with your Parents.
PARIKSHA PE CHARCHA 2022
NAMASTE... Today's agenda is to answer the queries of Indian students.
Sir, My parents force me to get 90+ marks.
Marks are just numbers, Skills show your talent...
I would request All the Parents watching this, to not to give stress to your Child... They need love, care and Patience.
Don't worry Priya, from now on you can Study and Play together.
No compulsion for 90+ marks. We will not Pressurise you.
SHREYA Behera 9th A

INDIAN ARMY
VIKRAM BATRA
अमर जवान

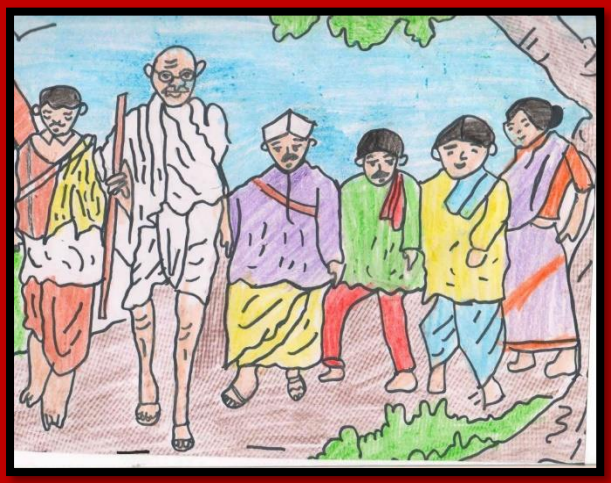

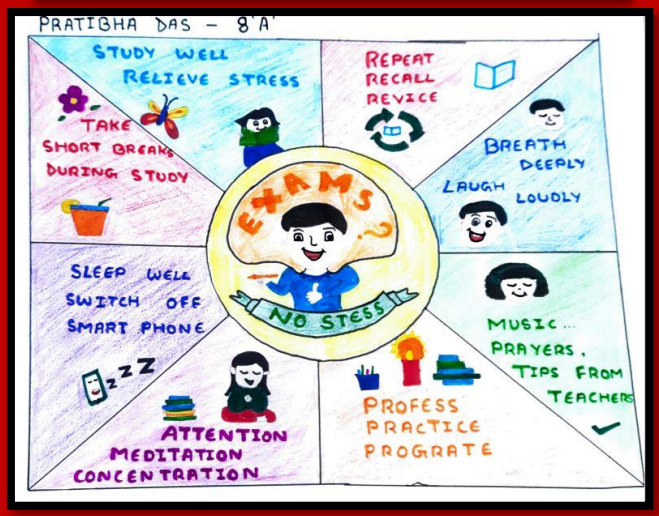

"जिसे अबतक ना समझे वो कहानी हूँ मैं,
मुझे बर्बाद मत करो पानी हूँ मैं"
DIKSHA SHARMA IX 'A' 9142 ASHOKA HOUSE

PRATIGHA DAS - 8 'A'
STUDY WELL RELIEVE STRESS
REPEAT RECALL REVICE
TAKE SHORT BREAKS DURING STUDY
BREATH DEEPLY
LAUGH LOUDLY
EXAMS
NO STESS
SLEEP WELL SWITCH OFF SMART PHONE
MUSIC... PRAYERS, TIPS FROM TEACHERS
ATTENTION MEDITATION CONCENTRATION
PROFESS PRACTICE PROGRATE

एकल प्रयोग प्लास्टिक
प्लास्टिक को हटाना है पर्यावरण को सुरक्षित बनाना है
No Plastic
STOP SINGLE
USE OF PLAST
SAY NO TO
PLASTIC

Internet Ethics Rules
CYBER SECURITY
STOP CYBER CRIME
INTERNET ETHICS
STOP CYBERBULLYING
Be A Man Of Honor, Stop Bullying & Don't Let Others To Do It
Computer Ethics
Internet Ethics
CYBER BULLING
CYBER STALKING
Thank You!

हिन्दी दिवस
अ आ

आप सभी को
धन्यवाद